केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406


# दैनिक भारतीय बस्ती


भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 250 मंगलवार 2 अप्रैल 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

## एक नजर

### परिषदीय विद्यालयों में धूमधाम से मनाया गया नव प्रवेश–उत्सव

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

पौली (संतकबीरनगर)। पौली विकास क्षेत्र के परिषदीय विद्यालयों में नए शिक्षा सत्र 2024–25 के पहले दिन विद्यालयों में नव प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें नव नामांकित बच्चों व अभिभावको का तिलक लगा व पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

सोमवार को पूर्व माध्यमिक विद्यालय शनिचरा बाजार पर प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि खंड शिक्षाधिकारी अर्जुन प्रसाद वर्मा ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर नव नामांकित छात्र–छात्राओ व अभिभको को तिलक लगा व पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। लोगों को संबोधित करते हुए श्री वर्मा ने कहा कि परिषदीय विद्यालय अब किसी कान्वेंट विद्यालय से कम नहीं है। योग्य शिक्षको द्वारा गुणवत्तायुक्त शिक्षा बच्चों को दिया जा रहा है। विद्यालयों को मूलभूत सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। डीबीटी के माध्यम से अभिभावकों के खाते में जूता मौज, ड्रेस व स्वेटर का धन सीधे भेजा जा रहा है। शिक्षकों द्वारा लगातार नवाचार किया जा रहा है। जनप्रतिनिधियों व अभिभावकों से अधिक से अधिक नामांकन करने की अपील की।

खंड शिक्षा अधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय बुजुर्गवार प्रथम, सेवईपार, उमरिया पांडेय में पहुंच कर नव नामांकित बच्चों व अभिभावको को माला पहना व तिलक लगाकर स्वागत किया।

### अज्ञात कारणों से लगी आग से नुकसान

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बनकटी (बस्ती)। लालगंज थाना क्षेत्र के ग्राम सेमरा में अज्ञात कारणों से आग लग गई । सूचना पर थाना अध्यक्ष मय फोर्स फायर ब्रिगेड को सूचना देते हुए मौके पर पहुंच कर ग्रामीणो की मदद से आग पर काबू पाया गया। मौके पर क्षेत्राधिकारी महोदय रूधौली मौजूद रहे।

आगजनी में रंगीलाल ,अरुण, श्री नाथ, देवदत्त, अनिल, रामनेवास, राजेश,रिन्दू,राम बृक्ष, जीतेन्द्र,राम अशीष गाँव सेमरा थाना क्षेत्र लालगंज का चरनी ,झोपड़ी ,भूसा कपड़ा ,सिलाई मशीन,गेहूँ आदि घरेलू सामान जल गया । हल्का लेखपाल ने मौके पर पहुँच कर नुकसान का आकलन किया।

### डेल्ही पब्लिक स्कूल में प्रवेश परीक्षा 7 को

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। डेल्ही पब्लिक सीनियर स्कूल पचपेडिया रोड में कक्षा 4 से 8 तक में प्रवेश परीक्षा 7 अप्रैल को दिन में 10 बजे से 12 बजे तक होगी। यह जानकारी देते हुये प्रबंधक अमरमणि पाण्डेय ने बताया कि यूरो किट्स में 15 अप्रैल तक प्रवेश लेने पर विशेष छूट की व्यवस्था है। छात्रों का प्रवेश शुल्क निःशुल्क है। छात्रों और अभिभावकों का मेडिकल परीक्षण निःशुल्क कराया जा रहा है।

प्रधानाचार्य अर्चना पाण्डेय ने बताया कि बेहतर शिक्षा के साथ ही छात्रों को संस्कृत और उर्दू व अरबी की भी शिक्षा दी जायेगी।

# मुख्तार अंसारी के मौत मामले में बांदा जेल अधीक्षक को जान से मारने की धमकी

**लखनऊ (आभा)।** माफिया मुख्तार अंसारी की मौत के मामले में एक नया मोड़ आ गया है। माफिया की मौत के कुछ ही घंटे बाद मंडल कारागार के वरिष्ठ जेल अधीक्षक को उनके सीयूजी नंबर पर जान से मारने की धमकी दी गई। धमकी देने वाले ने बेसिक फोन का इस्तेमाल किया है। करीब 14 सेकेंड की कॉल में धमकाने वाले ने स्पष्ट कहा है कि अब तुझे ठोकना है... बच सके तो बच। फिलहाल अधीक्षक की तहरीर पर धमकाने वाले नंबर पर एफआईआर दर्ज की गई है।

बता दें कि बीती 28 मार्च की रात 10.30 बजे माफिया मुख्तार अंसारी की मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। इसके कुछ घंटों बाद यानि रात 1.37 बजे वरिष्ठ जेल अधीक्षक वीरेश राज शर्मा के सीयूजी नंबर 9454418281 पर 0135–261349 किसी अज्ञात व्यक्ति का फोन आता है। फोन करने वाले ने 14 सेंकेड की वाइस में अभद्र शब्दों का इस्तेमाल करते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी दी है। वरिष्ठ जेल अधीक्षक वीरेश राज शर्मा ने मामले से पुलिस प्रशासन के आलाधिकारियों को अवगत कराया। इसके बाद रविवार की शाम शहर कोतवाली में अधीक्षक की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक, बांदा लक्ष्मी निवास मिश्र ने बताया कि धमकी दिए जाने वाले नंबर की जांच कराई जा रही है। अभी नंबर ट्रेस नहीं हो सका है। इसके पीछे कौन हो सकता है यह जांच का विषय है। इस विषय में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगा।

वरिष्ठ जेल अधीक्षक बांदा वीरेश राज शर्मा का कहना है कि धमकी तो मुख्तार की मौत के कुछ घंटों बाद ही मिली है, लेकिन बिना जांच पड़ताल पूरी हुए कुछ स्पष्ट नहीं कहा जा सकता है। जल्द ही धमकाने वाले का पता भी चल जाएगा।

## घोषणा पत्र के लिये बीजेपी को मिले लाखों सुझाव

**नई दिल्ली (आभा)।** भारतीय जनता पार्टी की सोमवार को चुनाव घोषणापत्र समिति की पहली बैठक हुई जिसके केंद्र में सरकार के 'विकसित भारत' का एजेंडा और उसकी रूपरेखा रही। आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी के प्रमुख वादों पर चर्चा करने के लिए आठ केंद्रीय मंत्रियों और तीन मुख्यमंत्रियों ने पार्टी के अन्य नेताओं के साथ बैठक की। बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री और भाजपा के पूर्व अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने की। बैठक के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि पार्टी को अपनी मिस्ड कॉल सेवा के माध्यम से 3.75 लाख से अधिक सुझाव मिले हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ऐप (नमो) पर लगभग 1.70 लाख सुझाव मिले हैं। उन्होंने कहा, "बैठक में 2047 तक विकसित भारत के खाके पर चर्चा की गई। हमारे घोषणापत्र में लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी प्रधानमंत्री में उनके भरोसे और उनसे उनकी अपेक्षाओं को दर्शाती है।"

## 30 अप्रैल तक चलेगा संचारी रोग नियंत्रण अभियान

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती । जिलाधिकारी अंद्रा वामसी, मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सी.एस. ने जिला चिकित्सालय में विशेष संचारी रोग नियंत्रण/दस्तक अभियान माह का फीता काटकर शुभारम्भ करते हुए जागरूकता रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह रैली संचारी रोगों से बचाव/रोकथाम के लिए आम जनमानस को जागरूक करने के उद्देश्य से निकाली गयी। संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक तथा दस्तक अभियान 10 अप्रैल से 30 अप्रैल तक संचालित किया जाएगा।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उपस्थित लोगों को बुखार के समुचित इलाज की शपथ भी दिलाया। उन्होने कहा कि दिमागी बुखार जानलेवा हो सकता है या रोग के बाद शारीरिक और मानंसिक विकलांगता भी ला सकता है। इसलिए बुखार होने पर तत्काल नजदीक के सरकारी अस्पताल में ले जाये। जनपद के प्रत्येक सीएचसी/पीएचसी पर बुखार के समुचित इलाज की व्यवस्था है। इस अवसर पर सभी ने अपने गॉव, ब्लाक, जनपद और प्रदेश को दिमागी बुखारमुक्त करने के लिए संकल्प लिया।

उन्होने इसकी प्रतिबद्धता दोहराई कि शौचालय का प्रयोग करेंगे और अन्य लोगों को भी प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। व्यक्तिगत साफ–सफाई का ध्यान रखेंगे, अपने घर के आस–पास साफ–सफाई रखेंगे। यदि कोई बच्चा बुखार से पीड़ित होगा तो उसके परिवार को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल जाने हेतु प्रेरित करेंगे।

इस अवसर पर सीएमओ डा. आर.एस. दुबे, एसीएमओ डा. अशोक कुमार, ईओ नगरपालिका सत्येन्द्र कुमार सिंह, जिला मलेरिया अधिकारी आई. ए. अंसारी, यूनिसेफ के नीलम यादव, डीआईओ डा. विनोद कुमार, जिला समन्वयक सचिन कुमार, रोटरी क्लब के अध्यक्ष एल.के. पाण्डेय तथा विभागीय चिकित्साधिकारीगण उपस्थित रहें।

## जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में पांच बच्चे सफल, हुआ स्वागत

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा के जारी परिणाम में हरैया विकासखण्ड के परिषदीय विद्यालयों के पांच बच्चे सफल हुए हैं। सफल बच्चों का उनके विद्यालय में माल्यार्पण कर और मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। सफल पांच बच्चों में प्राथमिक विद्यालय त्रिगुनौता के अश्वनी कुमार, कंपोजिट विद्यालय बड़ेरिया कुंवर के अभिनव वर्मा, प्राथमिक विद्यालय देबयाबक्श पाण्डेय की साक्षी वर्मा, प्राथमिक विद्यालय शंभूपुर के मनीष कुमार यादव तथा प्राथमिक विद्यालय तेनुआ की यशी जायसवाल शामिल रहीं। प्राथमिक विद्यालय त्रिगुनौता के सफल छात्र अश्वनी कुमार का स्वागत प्रधानाध्यापक शैलेंद्र कुमार तथा शिक्षक रवीश कुमार मिश्र के द्वारा उनके अभिभावक अनिल कुमार की उपस्थिति में किया गया। अभिनव वर्मा का स्वागत प्रधानाध्यापक सत्यराम वर्मा, कालिंदी, रामपाल, अशोक कुमार, आकांक्षा सिंह और महावीर द्वारा किया गया। मनीष कुमार का स्वागत प्रधानाध्यापक प्रशांत मणि सिंह, प्रतिभा तथा सविता द्वारा किया गया। यशी जायसवाल का स्वागत प्रधानाध्यापक मनोज कुमार द्विवेदी, शैलजा सिंह, ममता त्रिपाठी आदि द्वारा किया गया। खण्ड शिक्षा अधिकारी हरैया बड़कऊ वर्मा ने सभी सफल छात्रों को शुभकामना दिया। कहा कि यह शिक्षकों की मेहनत का परिणाम है कि बच्चे नवोदय जैसी परीक्षा में सफल हुए हैं। शिक्षकों के साथ–साथ उनके अभिभावकों का भी इस सफलता में अहम योगदान है। एआरपी गिरिजेश बहादुर सिंह, संदीप सिंह, उमेश सिंह तथा सुनील बौद्ध ने बताया कि विकासखंड से बड़ी संख्या में बच्चों ने नवोदय परीक्षा के लिए प्रतिभाग किया था जिसमें पांच बच्चे चयनित हुए हैं हमारे शिक्षकों का प्रयास रहेगा कि आगे और बड़ी संख्या में बच्चों का चयन नवोदय विद्यालय के लिए हो। बच्चों की सफलता पर विकासखण्ड के सभी शिक्षक नेता, शिक्षक, अनुदेशक, शिक्षामित्र और कर्मचारियों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

# मैच फिक्सिंग वाली टिप्पणी पर घिरे राहुल

**नई दिल्ली (आभा)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए मैच फिक्सिंग वाली टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी मुश्किल में पड़ते नजर आ रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने इसे लेकर सोमवार को निर्वाचन आयोग से राहुल के खिलाफ शिकायत की और उन पर कार्रवाई की मांग रखी। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग में अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। अधिकारियों के साथ मुलाकात के बाद पुरी ने कहा, श्दिल्ली में जनसभा के दौरान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष की टिप्पणी अत्यंत आपत्तिजनक थी। यह न केवल आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है बल्कि इसके गंभीर प्रभाव हो सकते हैं।

हरदीप सिंह पुरी ने कहा, '

जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि यह चुनाव एक फिक्स मैच है। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार ने निर्वाचन आयोग में अपने लोगों को तैनात किया है। उन्होंने ईवीएम की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाए और कहा कि चुनाव के बाद संविधान रद्द बदल किया जाएगा।' पुरी ने कहा कि हमने निर्वाचन आयोग से राहुल गांधी, अन्य कांग्रेस नेताओं और विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस के लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आग्रह किया।' केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी पर बार–बार ऐसे बयान देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग को लोकसभा चुनावों के दौरान उनको बोलने से रोकने पर विचार करना चाहिए, क्योंकि कांग्रेस नेता ऐसी टिप्पणियां करना बंद नहीं करेंगे। मालूम हो कि विपक्षी गठबंधन इंडिया की रैली में रविवार को राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री मोदी इस लोकसभा चुनाव में मैच फिक्सिंग की कोशिश कर रहे हैं। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि भारी बहुमत से चुनाव जीतकर संविधान खत्म किया जा सके। उन्होंने लोगों का अपील की कि वे इस मैच फिक्सिंग को रोकने के लिए पूरी ताकत से मतदान करें, क्योंकि यह संविधान और लोकतंत्र को बचाने का चुनाव है।

# अरविंद केजरीवाल 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में

**नई दिल्ली (आभा)।** दिल्ली के कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कोर्ट ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 15 अप्रैल तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा है। सीएम केजरीवाल को तिहाड़ की दो नंबर जेल में रखा जाएगा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें अब न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। ईडी ने कोर्ट में न्यायिक हिरासत की मांग की थी। वहीं संजय सिंह को जेल नंबर दो से पांच में शिफ्ट किया जा चुका है, सत्येंद्र जेल नंबर सात, मनीष सिसोदिया जेल नंबर एक और के. कविता जेल नंबर छह में हैं।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत बढ़ने से आम आदमी पार्टी (आप) के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में रोष है। इसके चलते तिहाड़ जेल के बाहर विरोध में भारी संख्या में आप कार्यकर्ता प्रदर्शन के लिए पहुंचे भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। करीब साढ़े चार बजे सीएम केजरीवाल को जेल के भीतर दाखिल करा दिया गया।

इससे पहले सोमवार यानी 2 अप्रैल को अरविंद केजरीवाल की पेशी के दौरान पत्नी सुनीता, आप नेता सौरभ भारद्वाज, आतिशी, गोपाल राय समेत कई नेता मौजूद रहे। बीती 28 मार्च को अरविंद केजरीवाल को कोर्ट ने राहत नहीं दी थी और एक अप्रैल तक के लिए ईडी की रिमांड पर भेज दिया था। ईडी ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि दिल्ली की सरकार जेल से चलेगी या कोई निर्णय होगा।

## शांतिपूर्ण चुनाव के लिये फ्लैग मार्च

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बनकटी (बस्ती)। आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन के मद्देनजर थाना लालगंज क्षेत्र में केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल व क्षेत्रीय पुलिस बल की संयुक्त टीम द्वारा फ्लैग मार्च किया गया ।

लोकसभा चुनाव को सकुशल एवं भयमुक्त, निष्पक्ष तथा स्वच्छ वातावरण में संपन्न करने के उद्देश्य से थाना अध्यक्ष लालगंज सुनील कुमार गौड़ के नेतृत्व में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल व क्षेत्रीय पुलिस बल की संयुक्त टीम द्वारा कस्बा महसो से प्रारंभ होकर चिल्वनिया, निरंजनपुर,मेहनौना,पाकरडाड़, महादेवा , बनकटी ,देईसाड़ होते हुए एरिया डोमिनेशन के अंतर्गत मिश्रित आवादी क्षेत्र, संवेदनशील क्षेत्रों तथा बर्नेबल बूथों का भ्रमण किया गया व आम लोगों से वार्ता की गई । उनसे भय मुक्त होकर अपना मतदान करने हेतु बताया गया तथा जनपद के वरिष्ठ अधिकारियों सहित थाना अध्यक्ष के सीयूजी नंबर प्रदान किए गए , बताया गया कि यदि कोई आपको प्रभावित करने का प्रयास करता है तो तत्काल नंबर पर फोन कर अवगत कराये। सभी संबंधित के मोबाइल नंबर भी प्राप्त किए गए।

## भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने बनाया लोकसभा चुनाव की रणनीति

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**



बस्ती । सोमवार को भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा की बैठक जिलाध्यक्ष ब्रम्हदेव यादव 'देवा' की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय पर सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुये पिछड़ा वर्ग मोर्चा के बूथवार रणनीति और तैयारियों पर विचार किया गया। ब्रम्हदेव यादव 'देवा' ने कहा कि मोर्चा पदाधिकारी, कार्यकर्ता पूरी तरह से तैयार हैं और भाजपा तीसरी बार बस्ती से जीत का रेकार्ड बनायेगी।

प्रदेश कार्य समिति सदस्य एवं मोर्चा के लोकसभा प्रभारी कुन्दन वर्मा ने कहा कि पदाधिकारी अभी से बूथ स्तर की तैयारियों में जुट जाय। बताया कि सभी पांचो विधानसभा क्षेत्रों में सम्मेलन कर मोर्चा के पदाधिकारी, नेता केन्द्र सरकार के कार्यो की जानकारी से मतदाताओं को सीधे जोड़ेंगे। मोर्चा के जिला महामंत्री जय प्रकाश गोस्वामी ने कहा कि समूचे देश में भाजपा के पक्ष में लहर चल रही है। पार्टी इस बार 400 से अधिक सीटें जीतकर रेकार्ड बनायेगी।

बैठक में मुख्य रूप से शिव प्रकाश सोनी, अखिलेश चौधरी, अनिल प्रजापति, अभिलाष चौहान, जीत बहादुर यादव, संजय गुप्ता, रमाकान्त यादव, सन्तोष सोनी, श्रवण यादव, शिव प्रसाद चौधरी, सन्तोष सोनी, राकी सोनी, अंगद चौधरी, सुनील सोनी, मुनिराम राजभर, अमन जायसवाल, जितेन्द्र यादव, नीरज प्रजापति, नन्द किशोर यादव, सत्य प्रकाश जायसवाल, शिव प्रकाश गुप्ता, अशोक यादव, प्रभात सोनी, प्रमोद जायसवाल के साथ ही मोर्चा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

# सेवा निवृत्त शिक्षकों को दिया भावभीनी विदाई

## –शिक्षक की भूमिका कभी समाप्त नहीं होती–अनूप कुमार तिवारी

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। शिक्षक की भूमिका कभी समाप्त नहीं होती। सेवा निवृत्ति के बाद शिक्षक समर्थ समाज के लिये अपना योगदान करें जिससे अज्ञानता का अंधेरा छटे। यह विचार जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार तिवारी ने व्यक्त किया। वे सोमवार को बस्ती सदर विकास खण्ड क्षेत्र के डिलिया बीआरसी केन्द्र पर आयोजित सेवा निवृत्त शिक्षकों के विदाई समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम में सरला पाण्डेय, शशि कला त्रिपाठी, इन्द्रावती देवी, मालती पाल, सईदा नाहिद और उषा गोस्वामी को सेवा निवृत्ति पर अंग वस्त्र, स्मृति चिन्ह, धार्मिक पुस्तक भेंटकर उनके योगदान पर विस्तार से चर्चा की गई।

वित्त एवं लेखाधिकारी बेसिक शिक्षा गुलशन उवर ने कहा कि सेवा निवृत्ति के बाद शिक्षकों को अपने देयको के लिये दौड़ना न पड़े इस दिशा में पूरा प्रयास किया जायेगा। शिक्षक सम्मान समारोह में खण्ड शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार त्रिपाठी ने अतिथियों और उपस्थित शिक्षकों का स्वागत करते हुये कहा कि सरकारी सेवा में सेवानिवृत्त होना एक प्रक्रिया है और इसके बाद जीवन का एक बड़ा आकाश उनकी प्रतीक्षा करता है।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक बस्ती सदर के ब्लाक अध्यक्ष शैल शुक्ल ने कहा कि एक शिक्षक हजारों विद्यार्थियों का जीवन संवारने के लिये अपनी पूरी ताकत झोंक देता है। समाज का भी दायित्व है कि सेवा निवृत्त शिक्षकों को पूरा सम्मान दें। एक शिक्षक के मन में सृजय और प्रलय दोनों पलते हैं। शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होते वे आखिरी क्षण तक ज्ञान का प्रसार करते रहते हैं।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के तहत जूनियर हाई स्कूल डिलिया, जूनियर हाई स्कूल धरमूपुर, जूनियर हाई स्कूल भुवर सराय, और जूनियर हाई स्कूल महरीपुर के बच्चों को एक हजार और विद्यालय को चार हजार का नगद पुरस्कार देकर मुख्य अतिथि ने कहा कि ज्ञान के क्षेत्र में निरन्तर प्रयोग की आवश्यकता है जिससे हम आने वाली पीढी को और अधिक बेहतर जीवन दे सके।

इस अवसर पर राजेश गिरी, विजय प्रताप वर्मा, ए.आर.पी. डा. रामशंकर पाण्डेय, अनिल पाण्डेय, उमाशंकर बौद्ध, अविनाश शुक्ल के साथ ही शिक्षक योगेन्द्र शुक्ला, बृजेश पाण्डेय, प्रज्ञा सिंह, वंदना मिश्रा, सूर्य प्रकाश शुक्ल, रविंद्र कुमार राय, , अशोक ओझा, मधुलिका सिंह, मधु प्रिया पाल, आभा श्रीवास्तव, प्रज्ञा सिंह के साथ ही अनेक शिक्षकों ने सेवा निवृत्त शिक्षकों को भावभीनी विदाई देते हुये उनके सुखमय जीवन की कामना किया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 2 अप्रैल 2024 मंगलवार

## सम्पादकीय

# डर की राजनीति

लोकसभा चुनाव के लिए राजनीतिक दल अपने विरोधियों के खिलाफ नकारात्मक विज्ञापन अभियान की योजना बना रहे हैं। नकारात्मक प्रचार प्रभावी हो सकता है लेकिन इसका प्रभाव दोतरफा दौड़ में अधिक महत्वपूर्ण होता है। 2 से अधिक उम्मीदवारों वाली दौड़ में, लक्षित उम्मीदवार और लक्ष्य दोनों के लिए इसके नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं। व्यक्तिगत हमले और डर की राजनीति बढ़ रही है, उम्मीदवार 'पहले मारो, जोर से मारो और मारते रहो' दृष्टिकोण अपना रहे हैं। जैसे–जैसे मतदाता और प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है, राजनीतिक विज्ञापन दुनिया भर में अधिक व्यापक होता जा रहा है।

1828 में अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दौड़ के बाद से, राजनीतिक दलों ने अपने विरोधियों के चरित्र पर हमला करने के लिए नकारात्मक प्रचार का इस्तेमाल किया है। कई इतिहासकारों का कहना है कि जॉन क्विंसी एडम्स-एंड्रयू जैक्सन ने सबसे घटिया चुनाव लड़ा। 1964 में, लिंडन जॉनसन ने राष्ट्रपति अभियान में अपने प्रतिद्वंद्वी बैरी गोल्डवाटर को बदनाम करने के लिए नकारात्मक रेडियो विज्ञापनों का इस्तेमाल किया। 'डेजी विज्ञापन' इन विज्ञापनों में से एक था और इसने जॉनसन की शानदार जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। केवल एक बार प्रसारित होने के बावजूद, यह अत्यधिक प्रभावी था।

हाल ही में 2016 के अमरीकी राष्ट्रपति चुनाव में, डोनाल्ड ट्रम्प ने एक विज्ञापन का इस्तेमाल किया था जिसमें हिलेरी क्लिंटन को गिरते हुए दिखाया गया था। 2020 में ट्रम्प और जो बाइडेन दोनों ने नकारात्मक प्रचार किया। ट्रम्प ने बाइडेन की मानसिक क्षमताओं की आलोचना की, जबकि बाइडेन ने ट्रम्प के कोविड –19 से निपटने और उनके चरित्र की आलोचना की। 2019 के यू.के. आम चुनाव में कंजर्वेटिव पार्टी ने जेरेमी कॉर्बिन को सुरक्षा खतरे के रूप में चित्रित किया। 2021 के जर्मन संघीय चुनाव में, सोशल डैमोक्रेटिक पार्टी ने बढ़ प्रभावित क्षेत्र का दौरा करते समय हंसते हुए आर्मिन लाशेट की छवियों का उपयोग करके उन पर निशाना साधा।

उम्मीदवार चुनाव जीतने के लिए अफवाहें फैलाने और आक्रामक विज्ञापनों का उपयोग करने जैसी रणनीति का उपयोग करते हैं। अन्ना हजारे के जन लोकपाल आंदोलन के बाद से, सोशल मीडिया ने राजनीति को बदल दिया है और सूचना और जवाबदेही का एक प्रमुख स्रोत बन गया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि भारत के 2024 चुनावों के लिए विज्ञापन की लागत 2000 करोड़ रुपए से 13000 करोड़ रुपए के बीच हो सकती है। कुछ विशेषज्ञों का अनुमान है कि राजनीतिक दल और उम्मीदवार विज्ञापन पर 14.4 बिलियन (1.2 ट्रिलियन रुपए) से अधिक खर्च कर सकते हैं, जो 2019 में खर्च की गई राशि से दोगुना है।

चुनाव आयोग उम्मीदवारों को आधिकारिक खर्च सीमा देता है, जो प्रति उम्मीदवार 7.5 मिलियन से 9.5 मिलियन रुपए तक होती है। दुर्भाग्य से, कई पार्टियां और उम्मीदवार मतदाताओं का समर्थन हासिल करने के लिए उन्हें फोन, साइकिल, मिक्सर, ग्राइंडर और नकदी जैसी मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की पेशकश करते हैं। 2014 में, भाजपा ने 714 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए। कांग्रेस ने रुपए 516 करोड़ खर्च किए। कुल खर्च लगभग +5 बिलियन या 30,000 करोड़ रुपए होने का अनुमान लगाया गया था। राजनीतिक उम्मीदवार अपने अभियान के लिए धन कहां से प्राप्त करते हैं? आमतौर पर, कुछ धनी उम्मीदवार अपनी पार्टी और जनता से स्व–वित्तपोषण करते हैं। हालांकि, समय के साथ अवैध धन भी मैदान में आ गया है।

भारत सरकार ने निगमों के लिए चुनावी बांड पेश किए, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में उन पर प्रतिबंध लगा दिया। भाजपा को 57 प्रतिशत चुनावी बांड मिले। 2018 से 2022 के बीच 52.7 अरब रुपए (1.1 अरब डॉलर) के चुनावी बांड बेचे गए। कांग्रेस को मूल्य का केवल 10 प्रतिशत यानी कि 9.6 अरब रुपए मिले। कथित तौर पर चुनाव खर्च के लिए काले धन का इस्तेमाल किया जाता है। कुछ चुनाव अभियान सफल होते हैं, जबकि अन्य असफल होते हैं। प्रधानमंत्री वाजपेयी का 2004 का 'इंडिया शाइनिंग' अभियान एक असफल अभियान का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

हालांकि, उसी चुनाव में कांग्रेस पार्टी का 'आम आदमी' अभियान सफल रहा। 2014 में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक विवादास्पद दक्षिणपंथी राजनेता से एक मजबूत राष्ट्रवादी नेता में बदल गए, जिसका ध्यान देश के विकास और युवाओं से जुड़ने पर केंद्रित था। उन्होंने अपनी प्रचार शैली को और अधिक राष्ट्रपति की शैली में बदल दिया और खुद को एक राष्ट्रीय ब्रांड के रूप में पेश किया, और यह लोगों को पसंद आया। यह आधुनिक तकनीक, 3डी रैलियों, चाय पर चर्चा, साक्षात्कार और अभियान दौरों का उपयोग करके सबसे महत्वपूर्ण जनसमूह जुटाने के अभ्यासों में से एक था।

यू–ट्यूब की बदौलत, राजनीतिक दल 30–सैकंड के टी.वी. विज्ञापनों और लंबे ऑनलाइन वीडियो के साथ सफलतापूर्वक विज्ञापन करते हैं। 2013 में, आम आदमी पार्टी जमीनी अभियानों, सोशल मीडिया गतिविधियों और 'आप' प्रमुख केजरीवाल के रेडियो विज्ञापन के माध्यम से दिल्ली के विधानसभा चुनावों में एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरी। इस प्रक्रिया ने एक नए राजनीतिक नेता के आगमन को चिह्नित किया।

2019 के राजनीतिक अभियान में सभी दलों ने नकारात्मक रणनीति का इस्तेमाल किया। विपक्ष ने भाजपा के हिंदुत्व से प्रेरित कार्यक्रमों की आलोचना की, लेकिन पुलवामा घटना के बाद मोदी की जीत ने उनके मजबूत आधार को दिखाया। भारत के राजनीतिक दल अगले आम चुनाव से पहले अपने विरोधियों का मजाक उड़ाने वाली आकर्षक सामग्री बनाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) का उपयोग करते हैं। भाजपा ने मोदी के प्रचार का एक ए.आई.–जनरेटेड वीडियो जारी किया, जबकि कांग्रेस ने उनकी डिजिटल छवि वाला एक पैरोडी वीडियो पोस्ट किया।

वीडियो में एक बिजनैस टाइकून के संसाधनों को चुराने के प्रयास को हास्यपूर्वक चित्रित किया गया है, जो 1.5 मिलियन से अधिक बार देखा गया जो वायरल हो गया है। यह राजनीतिक अभियानों में ए.आई. तकनीक के उपयोग में एक नए मोर्चे का प्रतीक है। हालांकि, कांग्रेस का 'चौकीदार चोर है' अभियान नारा विफल रहा और राहुल गांधी का मोदी पर हमला भी सफल नहीं हुआ। किसी नकारात्मक अभियान विज्ञापन की प्रभावशीलता उसकी सामग्री, संदर्भ और दर्शकों की विशेषताओं पर निर्भर करती है। चुनाव आयोग द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के बावजूद, आगामी 2024 चुनावों में नकारात्मक अभियान रणनीति में वृद्धि देखी जाएगी। हालांकि, यह प्रवृत्ति तब तक जारी रहेगी जब तक जनता को यह एहसास नहीं हो जाता कि आक्रामक विज्ञापनों और चरित्र हनन से स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लाभ नहीं होता है। इसलिए, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को नकारात्मक अभियानों का सहारा लेने के बजाय सकारात्मक विज्ञापन बनाने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

# मुख्तार की मौत पर गरमाई राजनीति

—विनीत नारायण—

माफिया डॉन के नाम से मशहूर और बरसों से जेल की सजा भुगत रहे पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी की गत सप्ताह मौत हो गई। पिछले कुछ सालों में एक के बाद एक माफियाओं को रहस्यमय परिस्थितियों में मौत का सामना करना पड़ा है। फिर वह चाहे विकास दुबे की पलटी जीप हो या प्रयागराज के अस्पताल में जाते हुए तड़ातड़ चली गोलियों से ढेर हुए अतीक बंधु हों।

अगर कोई यह कहे कि योगी आदित्यनाथ की सरकार साम, दाम, दंड, भेद अपनाकर उत्तर प्रदेश से एक–एक करके सभी माफियाओं का सफाया करवा रही है या ऐसे हालात पैदा कर रही है कि ये माफिया एक–एक करके मौत के घाट उतर रहे हैं, तो ये अर्धसत्य होगा। क्योंकि आज देश का कोई भी राजनीतिक दल ऐसा नहीं है जिसमें गुंडे, मवालियों, बलात्कारियों और माफियाओं को संरक्षण न मिलता हो। फर्क इतना है कि जिसकी सत्ता होती है वह केवल विपक्षी दलों के माफियाओं को ही निशाने पर रखता है अपने दल के अपराधियों की तरफ से आंख मूंद लेता है।

यह सिलसिला पिछले 35 बरसों से चला आ रहा है। आजादी के बाद से 1990 तक अपराधी राजनेता नहीं बनते थे। क्योंकि हर दल अपनी छवि न बिगड़े, इसकी चिंता करता था। पर ऐसा नहीं था कि अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त न रहा हो। चुनाव जीतने, बूथ लूटने और प्रतिद्वंद्वियों को निपटाने में तब भी राजनेता पर्दे के पीछे से अपराधियों से मदद लेते थे और उन्हें संरक्षण प्रदान करते थे।

90 के दशक से परिस्थितियां बदल गईं। जब अपराधियों को यह समझ में आया कि चुनाव जितवाने में उनकी भूमिका काफी महत्वपूर्ण होती है तो उन्होंने सोचा कि हम दूसरे के हाथ में औजार क्यों बनें? हम खुद ही क्यों न राजनीति में आगे आएं? बस फिर क्या था अपराधी बढ़–चढ़ कर राजनीतिक दलों में घुसने लगे और अपने धन–बल और बाहुबल के जोर पर चुनावों में टिकट पाने लगे। इस तरह धीरे–धीरे कल के गुंडे मवाली आज के राजनेता बन गए। इनमें बहुत से विधायक और सांसद तो बने ही, केंद्र और राज्य में मंत्री पद तक पाने में सफल रहे। जब कानून बनाने वाले खुद ही अपराधी होंगे तो अपराध रोकने के लिए प्रभावी कानून कैसे बनेंगे? यही वजह है कि चाहे दलों के राष्ट्रीय नेता अपराधियों के खिलाफ लंबे–चौड़े भाषण करें, चाहे पत्रकार राजनीति के अपराधीकरण को रोकने के लिए लेख लिखें और चाहे अदालतें राजनीतिक अपराधियों को कड़ी फटकार लगाएं, बदलता कुछ भी नहीं है।

योगी आदित्यनाथ अगर यह दावा करें कि उनके शासन में उत्तर प्रदेश अपराध मुक्त हो गया तो क्या कोई इस पर विश्वास करेगा? जबकि आए दिन महिलाएं उत्तर प्रदेश में हिंसा और बलात्कार का शिकार हो रही हैं। पुलिस वाले होटल में घुस कर बेकसूर व्यापारियों की हत्या कर रहे हैं और थानों में पीड़ितों की कोई सुनवाई नहीं होती। हां यह जरूर है कि सड़कों पर जो छिछोरी हरकतें होती थीं उन पर योगी सरकार में रोक जरूर लगी है। पर फिर भी अपराधों का ग्राफ कम नहीं हुआ।

90 के दशक में आई वोरा समिति की रिपोर्ट अपराधियों के राजनेताओं, अफसरों व न्यायपालिका के साथ गठजोड़ का खुलासा कर चुकी है और इस परिस्थिति से निपटने के सुझाव भी दे चुकी है। बावजूद इसके आजतक किसी सरकार ने इस समिति की या 70 के दशक में बने राष्ट्रीय पुलिस आयोग की सिफारिशों को लागू करने में कोई रुचि नहीं दिखाई। ऐसी तमाम सिफारिशें आजतक धूल खा रही हैं।

ऐसा नहीं है कि सत्ता और अपराध का गठजोड़ आज की घटना हो। मध्य युग के सामंतवादी दौर में भी अनेक राजाओं का अपराधियों से गठजोड़ रहता था। ये तो प्रकृति का नियम है कि अगर समाज में ज्यादातर लोग सतोगुणी या रजोगुणी हों तो भी कुछ फीसदी ही लोग तो तमोगुणी होते ही हैं। ऐसा हर काल में होता आया है। फिर भी सतोगुणी और रजोगुणी प्रवृत्ति के लोगों का प्रयास रहता है कि समाज की शांति भंग करने वाले या आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को नियंत्रित किया जाए, उन्हें रोका जाए और सजा दी जाए।

# लोकसभा चुनाव और बदलते मुद्दे

—ऋतुपर्ण दवे—




यूं तो राजनीतिक पंडित भारत के हर चुनाव को कभी अलग, कभी खास, कभी लिटमस टैस्ट तो कभी राजनीति की दिशा और दशा बदलने वाला बतलाते हैं। लेकिन 2024 के आम चुनाव भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में सबसे अलग साबित होंगे। कम से कम थोक में दल–बदल के चलते लंबे वक्त तक याद रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'कांग्रेस मुक्त भारत' का नारा सच होने लगा क्योंकि लोग कांग्रेस से ऐसे छिटकना शुरू हुए कि पूछिए मत। कब तक छिटकते रहेंगे नहीं पता? पता है तो बस इतना कि भाजपा ने कांग्रेसियों के लिए दरवाजे क्या खोले, भीड़ संभालना मुश्किल हो रहा है।

हां भाजपा के वह सिपहसालार, वफादार और जमीनी कार्यकर्ता असमंजस में होंगे कि नई भीड़ में उनकी हैसियत क्या होगी? दाद देनी होगी कि भाजपा के इतने विशाल संगठन में शीर्ष नेतृत्व के आगे कोई कितना भी बड़ा हो, चूं–चपड़ तक नहीं करता। यही अनुशासन है जिसे न केवल कांग्रेस बल्कि दूसरे राजनीतिक दलों को भी सीखना होगा। भाजपा की यही ताकत उसे दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनाती है। इससे जुड़ने वालों की संख्या हमेशा नया रिकॉर्ड बनाती दिखती है। चुने हुए जनप्रतिनिधियों जिनमें सांसद से लेकर विधायक, मंत्री, पूर्व मंत्री, पूर्व नौकरशाह और न्यायाधीश तक लाइन लगाकर भाजपा में शामिल हो रहे हैं। देश पहली बार ऐसा दल–बदल देख रहा है। लेकिन राजनीतिक पंडितों में यह गुफ्तगू होने लगी है कि ऐसा आकर्षण भाजपा में कब तक रहेगा? निश्चित रूप से सवाल वाजिब है लेकिन मौजू नहीं।

थोड़े दिन पहले लगता था कि इस चुनाव को इलैक्टोरल बांड अलग रंग देगा। लेकिन दो–चार दिन के हल्ला के बाद राजनीतिक दलों की इस पर धीमी और थमती चीख–चिल्लाहट बताती है कि हमाम में सब नंगे हैं। इसे मुद्दा बनने से पहले ही भुलाया जाने लगा। यह आम चुनाव पक्ष और विपक्ष की गारंटियों के भरोसे पर होगा। लेकिन मतदाता बेहद खामोश है। पहले चरण का नामांकन हो चुका है। 19 अप्रैल के मतदान को गिने–चुने दिन बचे हैं। 21 राज्यों की 102 सीटों पर मतदान होगा। प्रत्याशी तय हो चुके हैं। इस चरण में सीट शेयरिंग का तूफान या बवाल खास नहीं रहा। अगले चरणों को लेकर जरूर आहटें हैं। कहीं वही साधन के चलते तो पहले चरण का प्रचार रफ्तार नहीं पकड़ पा रहा है? इधर चुनावी रंग से पहले कांग्रेस आयकर विभाग से मिले हालिया नोटिस पर तिलमिलाई हुई है। आरोप है कि अगर समान मापदंडों का उपयोग होता तो भाजपा के टैक्स उल्लंघन पर आयकर विभाग आंखें नहीं मूंदता। उधर देशभर के सैंकड़ों वकील और बार एसोसिएशनों ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखा।

**थोड़े दिन पहले लगता था कि इस चुनाव को इलैक्टोरल बांड अलग रंग देगा। लेकिन दो–चार दिन के हल्ला के बाद राजनीतिक दलों की इस पर धीमी और थमती चीख–चिल्लाहट बताती है कि हमाम में सब नंगे हैं। इसे मुद्दा बनने से पहले ही भुलाया जाने लगा। यह आम चुनाव पक्ष और विपक्ष की गारंटियों के भरोसे पर होगा। लेकिन मतदाता बेहद खामोश है। पहले चरण का नामांकन हो चुका है। 19 अप्रैल के मतदान को गिने–चुने दिन बचे हैं। 21 राज्यों की 102 सीटों पर मतदान होगा। प्रत्याशी तय हो चुके हैं। इस चरण में सीट शेयरिंग का तूफान या बवाल खास नहीं रहा। अगले चरणों को लेकर जरूर आहटें हैं। कहीं वही साधन के चलते तो पहले चरण का प्रचार रफ्तार नहीं पकड़ पा रहा है? इधर चुनावी रंग से पहले कांग्रेस आयकर विभाग से मिले हालिया नोटिस पर तिलमिलाई हुई है। आरोप है कि अगर समान मापदंडों का उपयोग होता तो भाजपा के टैक्स उल्लंघन पर आयकर विभाग आंखें नहीं मूंदता। उधर देशभर के सैंकड़ों वकील और बार एसोसिएशनों ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखा।**

इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने भी कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। वकीलों ने चिट्ठी में ध्यान दिलाया कि एक गुट राजनीतिक और पेशेवर दबाव अपना कर न्यायपालिका की अखंडता कमजोर करने की कोशिशें कर रहा है। विपक्ष भाजपा के 'मेक इन इंडिया', 'स्किल इंडिया' और 'आत्म निर्भर भारत' को खोखली नारेबाजी बता 10 सालों में लोगों की नौकरी छोड़ने, छिनने को चिंताजनक बताकर पूछता है कि यदि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में बेरोजगारी दर में गिरावट आई है तो उसके आंकड़े क्यों नहीं सार्वजनिक होते? वहीं उपलब्धियों से सराबोर एन.डी.ए. 'अबकी बार, 400 पार' के प्रधानमंत्री मोदी के नारे को चरितार्थ करने में जुटा है क्योंकि प्रधानमंत्री 1984–85 के कांग्रेस के 414 सीटों का रिकॉर्ड तोड़ना चाहते हों? भाजपा खुद 370 सीटें जीतने की बात कह कर कहीं न कहीं जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म करने और राष्ट्रवाद की याद दिला रही है। वहीं एक रोचक तथ्य भी है कि 1957 की चुनी लोकसभा में कांग्रेस को 371 सीटें मिली थीं। पं. नेहरू 16 साल 286 दिन प्रधानमंत्री रहे। शायद मोदी इससे भी बड़ी लकीर खींच रहे हैं जो दिखती भी है।

चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों में एन.डी.ए. का साफ–साफ दो–तिहाई आंकड़ा छूता दिख रहा है। लेकिन भाजपा अपने दमखम पर सत्तासीन होना चाहती है। क्यों? सबको पता है। सूत्र बताते हैं भाजपा का आंतरिक सर्वे 330 सीटों की जीत बताता है। यह भी बड़ी उपलब्धि होगी। 2019 के चुनाव में 336 सीटों के साथ एन.डी.ए. सबसे बड़ा दल और 282 सीटों के साथ भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। वहीं संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन यानी यू.पी.ए.59 सीटों पर और कांग्रेस ने 44 सीटों पर जीत हासिल की। तब और अब का काफी वक्त निकल गया है। कल्पनाओं का राममंदिर आज हकीकत है। हिन्दुत्व के मुद्दे हमेशा दबंगई से भाजपा ने आगे रखे। इस पर खुलकर बात की। कांग्रेस का खुलकर न बोलना ही आज बड़ी चुनौती बनकर सामने है।

दिल्ली में केजरीवाल तो झारखंड में हेमंत सोरेन की ऐन चुनाव के वक्त गिरफ्तारी जरूर मुद्दा होगा। पंजाब में 'आप' और कांग्रेस के मौजूदा सांसद का भाजपा में जाने पर जनादेश का मिजाज देखने लायक होगा। हिमाचल में सरकार के बावजूद संकटग्रस्त कांग्रेस अपनों से जूझ रही है। अरुणाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव 2024 में सात भाजपा उम्मीदवारों का निर्विरोध चुना जाना बड़ी शुरूआत है। लेकिन भाजपा को दक्षिण में चुनौतियां तो हैं। कांग्रेस और महागठबंधन को उत्तर, मध्य और शेष भारत में कितना समर्थन मिलेगा यह तो वक्त बताएगा। अब देखने लायक यह होगा कि कश्मीर से कन्याकुमारी और अरुणाचल प्रदेश से गुजरात के बीच अनेकों अनेक विविधताओं से युक्त दुनिया के इस सबसे बड़े लोकतंत्र से 2024 में क्या संदेश निकलेगा?

## समावेशी आर्थिक उन्नति के यक्ष प्रश्न

—सुरेश सेठ—

पिछले दशक में भारत ने आर्थिक क्षेत्र में अभूतपूर्व तरक्की की है। दस वर्ष पहले भारत विश्व की दसवीं आर्थिक शक्ति था, आज पांचवीं हो गया। यह भी कहा जा रहा है कि दुनिया की चौथी औद्योगिक क्रांति का मूलाधार भारत होगा। इस विकास के साथ–साथ देश महामंदी से बच निकला है। उसकी आर्थिक विकास दर महाबली देशों के मुकाबले कहीं अधिक हो गई और हमारे विस्तृत बाजार की शक्ति देश में मांग की शक्ति बनकर न केवल घरेलू निवेश बल्कि विदेशी निवेश को भी अपनी ओर आकर्षित करने लगी। भारत दुनिया में चीन प्लस का विकल्प बनकर उभर रहा है। आज जहां देश में औद्योगीकरण और आधुनिकीकरण के बदलते तेवर नजर आ रहे हैं, वहां अंतरिक्ष क्षेत्र में भी उसकी और इसरो की उपलब्धियां इतनी स्पर्धात्मक हैं कि वे केवल छोटे देशों ही नहीं, अमेरिका और रूस जैसे बड़े देशों के लिए भी एक और प्रकाशस्तम्भ बनकर उभर रहा है।

विश्व आर्थिक मंच और सेंटर फॉर फोर्थ इंडस्ट्रियल रिवॉल्यूशन (सी4आईआर) में भारत के समावेशी विकास का संज्ञान लेते हुए उसके बदलते चेहरे की पहचान करने के लिए कहा है। मंच का कहना है कि इसका आधार बना है पिछले दो वर्ष से भारत की बजट नीति में परिवर्तन और प्रत्यक्ष सार्वजनिक निवेश का बढ़ना। भारत की बड़ी उपलब्धि है कि हमने अंतरिक्ष क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति की है और उसे एक व्यावसायिक तेवर दे दिया है। भारत का सार्वजनिक ही नहीं बल्कि निजी क्षेत्र भी कमाई के नये क्षितिज खुलते हुए पा रहा है। छोटे देशों का उपग्रह प्रक्षेपण सस्ती दरों पर कभी भी न हो पाता, अगर भारत इस दिशा में कदम न बढ़ाता। अभी तो इसरो के नये प्रयोग हुए हैं, उसमें यात्रियों को अंतरिक्ष तक ले जाना, पर्यटन करवाना और सुरक्षा के साथ वापस ले आना भी शामिल है। अब अगला लक्ष्य पर्यटकों को चांद तक ले जाना और उन्हें वापस लाना है। दूसरी बात, ये प्रयोग किफायती दर पर हो रहे हैं। ठीक समय पर अपने अंतरिक्ष और सौर ग्रह अभियानों में निजी क्षेत्र के लिए द्वार खोल देना भी भारत की दूरदर्शी नीति का परिचायक है।

दरअसल, इस समय भारत की सबसे बड़ी समस्या अंतर्राष्ट्रीय विनिमय क्षेत्र में अपनी मुद्रा के मूल्य को बढ़ाना और विदेशी मुद्रा की कमाई है। इस दिशा में हमने अपने प्रयास में धरती का विकास ही नहीं, अंतरिक्ष का व्यावसायीकरण भी शामिल कर लिया। इसके लिए नये अंतरिम बजट के बाद नई सरकार के जुलाई मास में आने वाले नये बजट में भी एक साझा बुनियादी ढांचा बनाने का संकल्प लिया गया है। देश में डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा बनाया जा रहा है। इससे धरती और आकाश में उद्यमिता के मामले में तेजी आएगी।

नई आर्थिक नीति को निर्धारित करने के लिए जो रोडमैप बनाया जा रहा है, वह समावेशी आर्थिक उन्नति का रोडमैप है। इसमें देश को आयात आधारित अर्थव्यवस्था से बदलकर निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था बनाने का प्रयास किया जा रहा है। यहां यह बता दिया जाए कि यह प्रयास तब तक सफल नहीं हो सकते जब तक हम पक्के कदमों से आगे नहीं बढ़ते। अगर आलम यह हो कि ऊर्जा के लिए कच्चे तेल का 85 प्रतिशत आयात करना पड़े और देश को अगर कृत्रिम मेधा, चिप, सेमीकंडक्टर युग और रोबोटिक्स में आगे बढ़ाना है तो उसके लिए विद्युत के भारी उत्पादन की आवश्यकता मुखर हो तो ऐसे माहौल में केवल अभूतपूर्व प्रगति के संकल्पों के ज्ञान से ही काम नहीं चलेगा। ऊर्जा का वैकल्पिक उत्पादन देशभर में सोलर ऊर्जा के साथ–साथ परम्परागत पेट्रोलियम ऊर्जा के नये कुओं की तलाश में भी आगे बढ़ना होगा। आयल एंड गैस नैचुरल गैस कमिशन की इस दिशा में लगातार चुप्पी परेशान करती है।

इसके साथ ही जहां तक देश के कृषि क्षेत्र का संबंध है, तो उसमें भी लघु और कुटीर उद्योगों का विकास ग्रामीण और कस्बाई अंचलों में करना पड़ेगा। आज भी भारत की 50 प्रतिशत आबादी वहां रहती है। सवाल यह भी कि देश की कुल राष्ट्रीय आय में कृषि क्षेत्र का योगदान घटते हुए 17 प्रतिशत क्यों हो गया है? इस योगदान को तभी बढ़ाया जा सकता है जबकि लघु और कुटीर उद्योगों में बढ़ता निवेश नौजवानों को न केवल उपयोगी रोजगार दे बल्कि फसलों से तैयार उत्पादों को नया रूप देकर बाजार में सीधा लाये। बीच के मध्यजनों का हस्तक्षेप बंद करके उत्पादक और उपभोक्ता में सीधा संबंध पैदा करें।

–लेखक साहित्यकार हैं।

# भारत की तरह नेपाल भी सीमा पर बनाएगा बैरियर, शांतिपूर्ण चुनाव कराने को लेकर अफसरों के बीच हुई बैठक




**संवाददाता—बहराइच।** आगामी लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए नेपाल सीमा पर चाक, चौबंद इंतजाम किए जा रहे है। सीमा सुरक्षा को लेकर सोमवार को नेपाल व भारत के पांच जिलों के डीएम व एसपी व एसएसबी के अफसरों की बैठक हुई। इसमें डीआईजी देवीपाटन मंडल भी शामिल हुए। बैठक में तय किया गया कि भारत के साथ ही नेपाल भी अपने क्षेत्र में बैरियर बनाकर सीमा पार करने वाले अराजतकतत्वों की निगरानी करेगा। इसके साथ ही दोनों देश अपने—अपने यहां सक्रिय अपराधियों की सूची तैयार कर एक दूसरे को सौंपेंगे। इसके अलावा चुनाव के दौरान 48 घंटे तक सीमा सील करने पर भी चर्चा की गई। इसके साथ ही प्रमुख जगहों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी भी होगी। सीमा पार करने वाले लोगों को बिना पहचान पत्र दिखाए आने व जाने भी नहीं दिया जाएगा। यह सब बातें सुरक्षा को लेकर तय की गई है।

भारत— नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा स्थित आईसीपी रुपईडीहा सभागार में सोमवार को भारत व नेपाल के कई जिलों के अधिकारियों की संयुक्त बैठक हुई। बैठक में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सीमा पर चौकसी बरतने, अपराधियों पर लगाम लगाने सहित कई विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में अधिकारियों ने लोकसभा चुनाव के दिन सीमा पर विशेष निगरानी रखने की बात कही। साथ ही मादक पदार्थों की तस्करी, अपराधियों की धरपकड सीमा के दोनों तरफ कैसे की जाए जिससे अंतरराष्ट्रीय सीमा के दोनों ओर अपराधियों को संरक्षण ना मिल सके आदि महत्पूर्ण मुद्दों पर चर्चा कर कार्ययोजना बनाई।

इस दौरान नेपाल देश के अधिकारियों ने बताया कि नेपाल राष्ट्र की ओर से आवश्यक स्थानों पर बैरियर लगाए जाएंगे। बैठक में भारत से देवीपाटन मंडल डीआईजी अमरेंद्र प्रसाद सिंह, डीएम बहराइच मोनिका रानी, एसपी वृंदा शुक्ला, डीएम बलरामपुर अरविंद सिंह, एसपी केशव कुमार, एसपी श्रावस्ती घनश्याम चौरसिया, डीएम व एसपी पीलीभीत और लखीमपुर खीरी, एसएसबी 42वीं वाहिनी के उपकमांडेंट अनिल यादव, पार्थ सारथी शामिल रहे। वहीं, नेपाल से बांके डीएम श्याम कुमार, एसपी सुभाष चंद्र बोहरा, दांग डीएम राम बंधु सुवेदी, एसपी राम बहादुर केसी, बर्दिया, कंचनपुर, कैनाली आदि जिलों के डीएम—एसपी सहित 30 बटालियन एसपी बिमल दांगी मौजूद रहे। वर्चुअल लखनऊ के आईजी व पदाधिकारी गण भी मौजूद रहे।

लोकसभा चुनाव के दौरान सीमापार से अराजकतत्वों द्वारा खलल डाली जा सकती है। इसको लेकर पुलिस व एसएसबी ने तैयारी तेज कर दी है। सीमावर्ती जिले बहराइच में ही करीब 105 किलोमीटर खुली सीमा नेपाल की पड़ती है। इसके अलावा श्रावस्ती, बलरामपुर, पीलीभीत व लखीमपुर खीरी जिले से भी नेपाल की खुली सीमा है। इस क्षेत्र में जंगल भी काफी मात्रा में है। ऐसे में अपराधी जंगल के रास्ते भी आ सकते है। इन सब बातों को ध्यान रखते हुए सीमा पर व्यवस्था चाकचौबंद की जा रही है।

# नीट पास कराने के नाम पर 42 लाख की ठगी

**संवाददाता—देवरिया।** नीट परीक्षा में पास कराने एवं अच्छे मेडिकल कॉलेज में एडमिशन कराने के नाम पर जालसाजों ने एक व्यक्ति को अपने जाल में फंसाकर कुल 42 लाख रुपए की ठगी कर ली। पीड़ित व्यक्ति की तहरीर पुलिस ने तीन जालसाजों पर धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है।

थाना क्षेत्र की जैतपुरा गांव निवासी सिब्तुल्लाह पुत्र अब्दुल्ला ने पुलिस को तहरीर दिया कि उनका बेटा शोएब नीट परीक्षा की तैयारी कर रहा है। करीब डेढ़ वर्ष पूर्व मुझे देवरिया कोतवाली क्षेत्र के सोंदा गांव निवासी प्रिंस जायसवाल मिला। उसने मेरे बेटे को नीट परीक्षा में पास कराने व एडमिशन कराने का आश्वासन दिया। एक व्यक्ति को एनटीए का अधिकारी व दूसरे को क्लर्क बताकर उनसे मिलवाया। बातचीत में उन्होंने अपना दीपक कनौजिया एवं अशोक मिश्रा बताया। उन लोगों ने बेटे को नीट परीक्षा पास कराने व अच्छे मेडिकल कॉलेज में एडमिशन कराने की बात कहीं। उनकी बातों पर विश्वास कर उसी दिन दो लाख रुपए दे दिया। इसके बाद अलग—अलग जगहों पर फोन के माध्यम से कई बार में कुल मिलाकर 42 लाख रुपए दे दिया। रुपए देने के बाद भी जब काम नहीं हुआ तो संदेह होने पर उन लोगों के बारे में पता किया। इसमें खुलासा हुआ कि संदीप ने अपना गलत नाम दीपक कनौजिया और आयुष तिवारी ने अपना गलत नाम अशोक मिश्रा बताया था। अपनी जमीन और अन्य सामान बेचकर पैसा दिया था। जब एडमिशन नहीं कराने की बात कह रुपए मांगा तो एक जालसाज संदीप गौड़ ने पंजाब नेशनल बैंक के तीन अलग—अलग चेक तीन लाख रुपए का दिया। संदीप और आयुष तिवारी ने एक सुलहनामा भी लिख कर दिया कि बाकी रुपए हम किस्तों में दे देंगे। चेक लेकर बैंक पहुंचा तो पता चला कि खाता में पैसा ही नहीं है।

इसके बाद प्रिंस जायसवाल अपना घर छोड़कर फरार हो गया और मोबाइल भी बंद दिया। खुखुन्दू पुलिस ने कोतवाली क्षेत्र के सोंदा गांव निवासी प्रिंस जायसवाल, सुरौली थाना क्षेत्र के पकड़ी महाराज निवासी मंदीप गौड़ एवं सुरौली थाना क्षेत्र के भटजुमाया गांव निवासी हाल पता लक्ष्मी नारायण मंदिर देवरिया निवासी आयुष तिवारी के खिलाफ 419, 420 एवं 406 में केस दर्ज किया है। सीओ सलेमपुर दीपक शुक्ला ने बताया कि एडमिशन कराने के लिए फ्रॉड किया गया है। इसमें तीन लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

# एमडीएम बनाते समय सिलेंडर में लगी आग

**संवाददाता—गोण्डा।** परिषदीय विद्यालय में सोमवार को एमडीएम बनाते समय हादसा हो गया। विद्यालय के रसोई घर में गैस सिलेंडर में अचानक आग लग गई। इससे स्कूल में अफरा तफरी मच गई। स्कूल के स्टाफ की कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह आग पर काबू पाया गया। फिलहाल इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नही है। हादसा सोमवार को शिक्षाक्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय भगहरिया भगवानपुर में करीब ग्यारह बजे हुआ है। स्कूल में बच्चो के लिए एमडीएम बनाया जा रहा था। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक चंद्रशेखर तिवारी ने बताया कि रसोईघर में रसोइया जगपता, शिवलली व मुन्ना खाना बना रहे थे। इसी बीच रसोई घर में रखे गैस सिलेंडर में अचानक आग लग गई। आग को देखकर रसोइयों ने चीखना चिल्लाना शुरू किया। चीख—पुकार सुनकर स्कूल के अध्यापक भाईलाल कनोजिया, संजय वर्मा व कमलेश तिवारी दौड़कर रसोई घर पहुंचे तो सिलेंडर धू—धू कर जल रहा था। बच्चो को तत्काल विद्यालय से बाहर कर उन्हें दूर चले जाने को कहा गया। इसी बीच गांव वाले भी आ गए। गांव वालो की मदद से सिलेंडर पर बालू और भीगी बोरी डाल कर किसी तरह आग पर काबू पाया गया। आग बुझाने में प्रभारी प्रधानाध्यापक चंद्रशेखर तिवारी का चेहरा भी आंशिक रूप से झुलस गया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को भी दिया लेकिन आग बुझ जाने से उसे रास्ते से वापस कर दिया गया। खंड शिक्षा अधिकारी सीमा पांडेय ने बताया कि सिलेंडर में आग खाना बनाते समय लगी है। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

# दुर्वासा आश्रम में श्रवण कुमार मिश्र के आचार्यत्व में संपन्न हुआ बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार



**—भारतीय बस्ती संवाददाता—** अयोध्या। अखिल विद्वद्— धर्म विचार समिति के तत्वाधान में सपरशुराम शिव पंचायतन मंदिर दुर्वासा आश्रम के पवित्र परिसर में मंदिर अधिष्ठाता श्रवण कुमार मिश्र के आचार्यत्व में विप्र बटुकों का उपनयनादि संस्कार परम विद्वानों की उपस्थिति में सविधि संपन्न हुआ। विधि एवं शिष्ट परंपरानुसार उपनयन के पूर्व बटुकों को दधि चिउड़ा (चूरा) शर्करा के साथ खिलाया गया। ब्रह्म गायत्री मंत्र दीक्षा के पश्चात् भिक्षाटन कर्म अत्यंत दर्शनीय एवं अद्भुत था। वेदारम्भ के अनन्तर अन्य शेष कर्म संपन्न कराये गये। बटुकों को उपदिष्ट करते हुए आचार्य श्रवण कुमार मिश्र ने बताया कि क्रमशः उपनयन संध्या उपासनादि कर्म एवं वेदाध्ययन तत्पश्चात् यज्ञ करने और करने का अधिकार प्राप्त होता है सत्संस्कार सदैव हमें सदा चरण की ओर प्रेरित करते हैं संस्कारहीनता का ही दुष्परिणाम है जो मदिरा पान अनर्थ का साधन है उसे अर्थ का साधन माना जाता है इतना ही नहीं इस रामराज के देश में भी जो समलैंगिकता जैसे बाहरी असभ्यता एवं कदाचरण तक पहुंच गए हैं वह सब संस्कार हीनता का ही परिणाम है।डॉ कृष्ण कुमार पांडे जी ने कहा है कि संस्कार सद्गुणों का आधान करते हैं जिस व्यक्ति व्यवस्थित होता है इसी क्रम में विनीत मिश्र ने बताया कि संस्कारवान् व्यक्ति ही श्री राम जी के मर्यादित पथ पर चल सकता है डॉ मनमोहन सरकार ने स्वरचित कविता के माध्यम से संस्कारों पर प्रकाश डाला अनिल द्विवेदी ने बताया कि संध्या न करने का प्रत्यवाय किसी भी शुभ कर्म से नष्ट नहीं होता अतः संध्या अनिवार्य है।इस कार्यक्रम में जन्म भूमि के पुजारी संतोष तिवारी हैदराबाद से केशव शर्मा शर्मा धीरज शर्मा, पुणे से पवन शास्त्री वागीश पाण्डेय, दुर्गेश दास मानस तिवारी रामानुज तिवारी सोमदेव वैदिक राहुल तिवारी नमो नारायण अजय पांडे रोहित आदि विद्वज्जन उपस्थित रहे।

# राष्ट्र निर्माण के लिए शिक्षा महत्वपूर्ण—फूल चंद्र मौर्य

**संवाददाता—श्रावस्ती।** विकास खण्ड इकौना के प्राथमिक विद्यालय बंजरही में सोमवार को कक्षा पांच के छात्र—छात्राओं के विदाई समारोह में अंक पत्र व पुरस्कार वितरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खंड शिक्षाधिकारी फूल चंद्र मौर्य रहे। मुख्य अतिथि फूल चंद्र मौर्य ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों में इस तरह के कार्यक्रम बच्चों के बेहतर शैक्षणिक व्यवस्था में बहुत कारगर साबित होंगे। यदि शिक्षकों के साथ—साथ अभिभावक भी बच्चों के पठन—पाठन पर ध्यान दें तो निश्चित ही प्राइमरी शिक्षा के स्तर में अपना अलग मुकाम हासिल करने में कामयाब हो सकेगी। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाए ताकि वे समाज का नाम रोशन कर सके और राष्ट्र निर्माण में सहभागिता कर सके। मुख्य अतिथि ने कहा कि शिक्षा एक ऐसा धन है जिसे न तो कोई चुरा सकता है और न ही कोई छीन सकता। यह एक मात्र ऐसा धन है जो बांटने पर कम नहीं होता, बल्कि इसके विपरीत बांटने पर बढ़ता ही जाता है। पुरस्कार पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। प्रधानाध्यापक बृजेश कुमार पासवान ने उत्तीर्ण छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस दौरान सहायक अध्यापक अभय कुमार, संध्या गोस्वामी और शिक्षामित्र उत्तिम देवी व काफी संख्या में अभिभावक एवं छात्र—छात्राएं मौजूद रहीं।

# साइकिल मिस्त्री की हत्या कर निर्माणाधीन घर में फेंका शव





**संवाददाता—बहराइच।** रानीपुर थाना क्षेत्र निवासी साइकिल मिस्त्री की रविवार की रात हत्या कर उसका शव निर्माणधीन घर में फेंक दिया गया। सुबह खून से लथपथ शव देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। सूचना पर एसपी भी मौके पर पहुंचीं और पुलिसकर्मियों को जल्द खुलासे के लिए निर्देशित किया।

रानीपुर थानाक्षेत्र के कलुआपुर निवासी वकील अहमद (45) कुट्टी बाजार में साइकिल की दुकान करता था। वकील पंचर बनाने से लेकर साइकिल की मरम्मत भी करता था। रविवार की रात वो दुकान बंदकर घर के लिए निकला था लेकिन देर रात तक घर नहीं पहुंचा जिससे परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। सोमवार की सुबह जिगिनिया छत्रपाल के पास नहर किनारे निर्माणाधीन मकान मे उसका लहूलुहान शव पड़ा मिला। शव के ऊपर से कपड़े गायब रहे और सिर्फ कच्छे बनियान मे शव पड़ा मिला। परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं, गांव में भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना पर रानीपुर थाना प्रभारी आरती वर्मा टीम के साथ मौके पर पहुंचीं और शव को कब्जे में लिया। वहीं, हत्या की सूचना पर एसपी वृंदा शुक्ला, एएसपी नगर रामानंद कुशवाहा आदि भी मौके पर पहुंचे। एसपी ने परिजनों से जानकारी ली और पुलिसकर्मियों को जल्द खुलासे के लिए निर्देशित किया।

# हर माह की 15 तारीख को स्वास्थ्य केंद्रों पर आयोजित होगा एकीकृत निःक्षय दिवस

**संवाददाता—महराजगंज।** जिला क्षयरोग विभाग ने जिले को टीबीमुक्त करने की कोशिश तेज कर दी है। टीबी मरीजों को चिंहित कर उन्हें त्वरित इलाज देने के लिए हर माह के 15 तारीख को हर स्वास्थ्य केंद्र पर एकीकृत निःक्षय दिवस आयोजित करेगा। दिवस में पहुंचे मरीजों की बलगम, एक्स—रे जांच करेगा। जांच रिपोर्ट में बीमारी की पुष्टि होने पर पंजीकृत कर इलाज शुरू करेगा। जिले को वर्ष 2025 तक टीबीमुक्त करना है। इसके लिए विभाग टीबी खोजी अभियान चला रहा है। मेडिकल टीम घर—घर पहुंचकर संभावित टीबी मरीज की जांच कर रही हैं। जांच में बीमारी की पुष्टि होने पर तत्काल इलाज उपलब्ध करा रही हैं। खोजी अभियान में अधिक संख्या में टीबी पीड़ित मिल रहे हैं। इसी बीच शासन ने हर माह के 15 तारीख को स्वास्थ्य केंद्रों पर एकीकृत निःक्षय दिवस करने का आदेश दे दिया। शासन का आदेश मिलते ही जिला क्षयरोग विभाग तत्काल प्रभाव से दिवस लागू कर दिया। 15 अप्रैल को स्वास्थ्य केंद्रों पर निःक्षय दिवस आयोजित करने के लिए स्वास्थ्य केंद्रों पर निर्देश दिया है। दिवस में पहुंचे संभावित टीबी मरीजों की जांच होगी। जांच में टीबी की पुष्टि होने तक तत्काल पंजीकरण उसे दवा शुरू कर दिया जाएगा।

# नवजात शिशु को ऐसी जगह ना छोड़े जहां उनके जीवन का संकट हो -सर्वेश अवस्थी



**—भारतीय बस्ती संवाददाता—** अयोध्या। थाना बाबा बाजार के गणेशपुर जंगल में प्राप्त नवजात बालिका को स्वस्थ होने के पश्चात सीडब्ल्यूसी द्वारा शिशु गृह भेजा गया। न्यायपीठ बाल कल्याण समिति अयोध्या के अध्यक्ष सर्वेश अवस्थी द्वारा बताया गया की दिनांक 28.03.2024 को प्रभारी निरीक्षक द्वारा चाइल्ड लाइन व सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष को ये सूचना दी की उनके क्षेत्र में स्थित गणेश पुर जंगल में एक परित्यक्त नवजात शिशु बालिका मिली है बालिका को जंगल में काफी समय तक पड़े रहने के कारण जगह जगह चीटियों ने काट रखा था इस कारण अध्यक्ष सीडब्ल्यूसी द्वारा उक्त बालिका को जिला महिला चिकित्सालय में भर्ती कराने को निर्देशित किया तत्पश्चात नवजात बालिका चाइल्ड लाइन अयोध्या व महिला पुलिस कर्मी के संरक्षण में जिला महिला अस्पताल मे उपचार रत रही तथा स्वस्थ होने के पश्चात चाइल्ड लाइन द्वारा न्यायपीठ बाल कल्याण समिति(सीडब्ल्यूसी) अयोध्या के समक्ष आदेश हेतु प्रस्तुत किया गया जिसे अध्यक्ष सर्वेश अवस्थी व सदस्यगण स्मृता तिवारी, सिद्धार्थ तिवारी व लल्लन प्रसाद अंबेश द्वारा चाइल्ड लाइन के संरक्षण में राजकीय शिशु गृह लखनऊ हेतु आदेशित किया गया। अध्यक्ष सर्वेश अवस्थी द्वारा बताया गया की उक्त नवजात के जैविक माता पिता अथवा विधिक संरक्षक का 60 दिवस तक इंतजार किया जायेगा यदि किसी के द्वारा कोई दावा नहीं किया जाता है तो उक्त नवजात को दत्तक ग्रहण हेतु मुक्त घोषित कर दिया जाएगा व नवजात विधिक प्रक्रिया के अन्तर्गत दत्तक ग्रहण में चली जायेगी व पुनः उसे दत्तक माता पिता की प्राप्ति हो जायेगी। अध्यक्ष श्री अवस्थी द्वारा पुनः ये अनुरोध किया गया है की जो लोग मजबूरी वश नवजात को ऐसी अवस्था में त्याग देते हैं वह उसे ऐसी जगह न छोड़ें जहां उसके जीवन पर संकट आ जाए वह इस हेतु 1098 पर संपर्क कर सकते हैं अथवा मेरे नंबर 9336611885 पर भी संपर्क कर सकते हैं उनका नाम गोपनीय रखा जायेगा व उनके विरुद्ध कोई भी कार्यवाही नहीं होगी।

## अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय—श्रीमान मुख्य राजस्व अधिकारी महोदय अयोध्या
कम्प्यूटर वाद सं.201904230002707
धारा 30 राजस्व संहिता अधिनियम
रामचन्दर बनाम
बनाम
गांवसभा आदि

बनाम—1— गांवसभा हथिगो परगना पश्चिम राठ तहसील बीकापुर जिला अयोध्या द्वारा ग्राम प्रधान 2— राज्य सरकार उत्तर प्रदेश द्वारा जिलाधिकारी महोदय अयोध्या 3— राम मिलन पुत्र राम नरेश 4— फग्गू 5— दशरथदीन 6— श्रवण 7— महेन्द्र 8— धर्मेन्द्र पुत्रगण मातादीन समस्त निवासीगण 3 ता0 8 ग्राम— हथिगो परगना पश्चिम राठ तहसील बीकापुर जिला अयोध्या

**तारीख पेशी 10—04—2024**

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 04 के 10 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 24 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

न्यायालय— श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद के द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा अर्न्तगत धारा 372 उत्तराधिकार अधि0
M.N.R.N0. 159/2023
श्रीमती मीरा गुप्ता
**बनाम**
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कलेक्टर महोदय फैजाबाद हर खासो आम 1— उत्तर प्रदेश कोआपरेटिव बैंक लिमिटेड बजाजा फैजाबाद
मृतक—राम अभिलाख पुत्र सरजू प्रसाद
निवासी मकान नं. 6/11/320 हैदरगंज परगना— हवेली अवध तहसील सदर जिला — अयोध्या
मृत्यु दिनांक—08/10/2003
**पेशी दिनांक— 08—04—2024**

अपने मृतक को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये प्रार्थना—पत्र के अर्न्तगत धारा 372 अधिनियम संख्या 39 सन 1925 ई0।

चूंकि श्री निवासी ग्राम परगना तहसील जिला ने उत्तराधिकार प्रमाण—पत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन किया और 2024 के माह 04 के 08 दिवस का आवेदन की सुनवाई के लिये तिथि निश्चित की गयी है।

अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उपरोक्त आवेदन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो वह स्वयं अथवा अधिवक्ता द्वारा न्यायालय सिविल जज जू0डि0 सदर फैजाबाद के न्यायालय में दिनांक 08—04—2024 को अपरान्ह 10 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा उक्त तिथि के अवसान पर किसी की कोई आपत्ति नहीं सुनी जायेगी और प्रार्थना पत्र पर यथोचित आदेश पारित कर दिया जायेगा।

आज दिनांक माह सन ई0 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित जारी किया गया।

द0 हाकिम

# किशोरी से सौतेले भाई ने किया रेप, पुलिस ने दर्ज नहीं की एफआईआर

**संवाददाता—बहराइच।** नानपारा कोतवाली इलाके में 15 वर्षीय किशोरी के सौतेले भाई ने नशीली दवा खिलाकर उसके साथ कई बार रेप किया। पीड़िता ने अपने मामा व मौसी के साथ कोतवाली नानपारा जाकर इसकी सूचना को दी, किन्तु पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं किया। इस पर पीड़िता ने न्यायपीठ बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश होकर आपबीती बताई, तथा न्याय की मांग करते हुए अपना प्रार्थना पत्र दिया।

न्यायपीठ ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पीड़ता के साथ हुई घटना में पोक्सो एक्ट की धारा 19 व 20 के तहत करवाई के तहत एफआईआर दर्ज करने का आदेश पारित किया। इस मामले में चेतावनी दी गई है कि यदि इस गंभीर मामले में कार्यवाही में कोई त्रुटि की गई, तो पाक्सो एक्ट की धारा 21 के तहत संबंधित पुलिस अधिकारी के विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही की जा सकती है। पीड़ता ने सीडब्ल्यूसी के समक्ष दिए गए बयान में बताया कि उसके साथ सौतेले भाई की ओर से बलात्कार किए जाने की बात जब उसने अपनी सौतेली मां से बताई, तो मां ने उसे ही उल्टे ही बेल्ट से मारा पीटा और फिर कमरे में बंद कर लाल मिर्च उसकी आंखों में लगा दिया, तथा मिर्चों के धुएं से उसे प्रताड़ित कर धमकाया गया कि यह बात किसी को न बताए। मौका पाकर वह भाग कर मामा सुजौली इलाके में स्थित अपने ननिहाल चली गई, और वहां अपने मां व मौसी को घटना की जानकारी दी। मां के साथ कोतवाली नानपारा आकर अपने साथ हुए बलात्कार लिखित सूचना दी, किन्तु पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की। सोमवार को वह पुलिस अधीक्षक से मिलने जिला मुख्यालय आई थी, परंतु वे किसी मीटिंग में चली गई थीं, जिससे उनसे मुलाकात नहीं कर सकी।

# एलटी लाइन से टकराये डंपर में लगी आग, चालक की जिंदा जलकर मौत



**संवाददाता—गोण्डा।** गोंडा कोतवाली नगर क्षेत्र के सर्कुलर रोड के समीप बुढ़ईपुरवा में स्थित नामी विद्यालय कैम्पस में मिट्टी पटाई का काम चल रहा है। रविवार की आधी रात के बाद मिट्टी गिराने गए डंपर चालक ने डाला उठाया तो ऊपर से गुजरी 11 हजार की हाईटेंशन (एचटी) लाइन की चपेट में आने से डंपर में करंट उतर आया और आग लग गई। चालक ने गेट खोलकर कूदना चाहा। मगर टायर में लगी आग की चपेट में आने से जिंदा जल गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना ग्रामीणों ने कोतवाली पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। कोतवाली क्षेत्र के सर्कुलर रोड के समीप बुढ़ईपुरवा में स्थित नामी विद्यालय कैम्पस में पिछले कुछ दिनों से दिन रात मिट्टी पटाई का काम चल रहा है। पटाई के लिए पांच डंपर लगाए गए हैं। इनमें अयोध्या जिले का भी एक डंपर लगाया गया था। अयोध्या जिले के पूराकलंदर थाना क्षेत्र इटौरा गांव निवासी डंपर चालक रामशकल पांडेय (48) पुत्र रामचंद्र पांडेय भी मिट्टी पटाई का काम कर रहा था। रविवार की आधी रात के बाद वह डंपर पर मिट्टी लादकर कैम्पस में गिराने पहुंचा। मिट्टी गिराने के लिए उसने डंपर का डाला उठाया। तभी अचानक ऊपर से गुजरी एचटी लाइन की चपेट में आने से डंपर में आग लग गई और एचटी लाइन का तार टूटकर डंपर पर आ गिरा। बचने के लिए चालक ने डंपर से कूदने का प्रयास किया। मगर वह डंपर के दाहिने पहिए के टायर में लगी आग की चपेट में आ गया। जिससे उसकी जिंदा जलने से मौके पर ही मौत हो गई।

## अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद
मूल वाद सं. 914/2023
अजय प्रकाश आदि
बनाम
ओम प्रकाश

बनाम—1—ओम प्रकाश पुत्र स्वर्गीय प्रेमदास 2— रंजना देवी पत्नी ओम प्रकाश निवासी बस स्टेशन चौराहा गोसाईगंज बाजार परगना अमसिन तहसील सदर जनपद— अयोध्या 3— राम करन यादव पुत्र राम अवध निवासी नन्दनगर मौजा अंकारीपुर परगना अमसिन तहसील सदर जनपद— अयोध्या 4— शेष नरायन पाण्डेय उर्फ प्राणनाथ पाण्डेय निवासी ग्राम—धारूपुर पोस्ट— गोसाईगंज परगना अमसिन तहसील सदर जनपद— अयोध्या 5— वृजेश कुमार यादव पुत्र राम किशोर यादव 6— विमला देवी पत्नी राम बहादुर 7— लाल बहादुर पुत्र रामनरायन निवासीगण ग्राम— नन्दनगर मौजा अंकारीपुर परगना अमसिन तहसील सदर जनपद— अयोध्या 8— ऊषा देवी पत्नी पारसनाथ 9— संगीता देवी पत्नी अमरनाथ निवासीगण 8 ता0 9 कटरा गोसाईगंज (भीटी चौराहा) परगना अमसिन तहसील सदर जनपद— अयोध्या 10— गुड्डन दूबे पुत्र उदयनरायन दूबे ग्राम— अहिरौली (चन्द्रिकागंज) परगना पश्चिमराठ तहसील बीकापुर जनपद—अयोध्या 11— वीरेन्द्र कुमार मिश्र पुत्र कालिका प्रसाद निवासी कटरा हनुमानमंदिर के सामने गोसाईगंज बाजार परगना अमसिन तहसील सदर जिला— अयोध्या 12— दीपक कुमार 13— रुपेश कुमार पुत्रगण राकेश कुमार निवासीगण 12 ता. 13 कटरा बस स्टाप गोसाईगंज बाजार परगना अमसिन तहसील सदर जिला—अयोध्या

**तारीख पेशी 12—04—2024**

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 04 के 12 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 24 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद
मूल वाद सं. 322/2023
जितेन्द्र
बनाम
राम तेज आदि

बनाम—1—रामतेज पुत्र स्वर्गीय राम पियारे 2— जगदम्बा प्रसाद पुत्र रामतेज 3— हनुमान पुत्र रामतेज 4— अम्बुज कुमार 5— अम्बुज कुमार 6— प्रभंजन कुमार पुत्रगण रमापति 7— राम सुन्दर 8— कृष्णपति पुत्रगण राम पियारे 9— राम कुमार पुत्र सभापति 10— राम अछैबर पुत्र राजदत्त 11— परमानन्द पुत्र राम मनोरथ 12— प्रेम नरायन 13— शेष नरायन 14— राजेश कुमार पुत्रगण वासदेव 15— राम नरायन पुत्र नरसिंह नरायन 16— हौसला प्रसाद पुत्र परागदत्त 17— रामलल्लू पुत्र परागदत्त 18— हरिशंकर 19— रविशंकर पुत्रगण यदुनाथ 20— अमरनाथ 21— रमेश कुमार 22—अरुण कुमार पुत्रगण रामचन्दर 23— लाल बिहारी 24— प्रेमनरायन 25— अवधेश कुमार 26— राजकरन पुत्रगण राधेश्याम 27— श्रीमती सुनीता देवी पत्नी लक्ष्मीकान्त 28— कपिलदेव पुत्र राम सुन्दर 29— दुर्गा प्रसाद पुत्र राम सुमिरन 30— राजनरायन पुत्र राधेश्याम 31— ब्रम्हादेई पत्नी स्वर्गीय रामचन्दर 32— कमलापति पुत्र नन्द किशोर 33— देवशरन पुत्र राम पियारे 34— तेजपति पुत्र राम पियारे 35— रामधीरज 36— मनीराम पुत्रगण रामनाथ समस्त निवासीगण ग्राम— देवनपार पूरे सुक्खा परगना पश्चिम राठ तहसील मिल्कीपुर जिला— अयोध्या

**तारीख पेशी 12—04—2024**

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 04 के 12 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 24 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

न्यायालय— श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद के द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा अर्न्तगत धारा 372 उत्तराधिकार अधि0
M.N.R.N0. 166/2021
श्रीमती करमा
**बनाम**
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कलेक्टर महोदय फैजाबाद हर खासो आम 2— शाखा प्रबन्धक सब पोस्ट मास्टर डाक विभाग शाखा गोसाईगंज तहसील सदर जिला — अयोध्या 3— शाखा प्रबन्धक पोस्ट मास्टर डाक विभाग शाखा फैजाबाद तहसील सदर जिला — अयोध्या
मृतक—बरखू पुत्र स्वर्गीय भवानीफेर निवासी ग्राम— रोहनपारा परगना— मिजौड़ा तहसील भीटी जिला — अम्बेडकरनगर
मृत्यु दिनांक—
**पेशी दिनांक— 07—04—2024**

अपने मृतक को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये प्रार्थना—पत्र के अर्न्तगत धारा 372 अधिनियम संख्या 39 सन 1925 ई0।

चूंकि श्री निवासी ग्राम परगना तहसील जिला ने उत्तराधिकार प्रमाण—पत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन किया और 2024 के माह 04 के 07 दिवस का आवेदन की सुनवाई के लिये तिथि निश्चित की गयी है।

अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उपरोक्त आवेदन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो वह स्वयं अथवा अधिवक्ता द्वारा न्यायालय सिविल जज जू0डि0 सदर फैजाबाद के न्यायालय में दिनांक 07—04—2024 को अपरान्ह 10 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा उक्त तिथि के अवसान पर किसी की कोई आपत्ति नहीं सुनी जायेगी और प्रार्थना पत्र पर यथोचित आदेश पारित कर दिया जायेगा।

आज दिनांक माह सन ई0 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित जारी किया गया।

द0 हाकिम

## हाईटेंशन लाइन की चिंगारी से 20 बीघा गेहूं की फसल जल कर राख

**संवाददाता–गोरखपुर।** उरुवा ब्लाक के ग्राम छीबरचक से खटकपुरा तक के किसानों की लगभग 20 बीघा गेहूं की फसल सोमवार कोशार्ट सर्किट के कारण जलकर स्वाहा हो गई। सोमवार की दोपहर करीब ग्यारह बजे हाईटेंशन लाइन की चिंगारी से गेहूं की खड़ी फसल में आग लग गई। आग लगते ही किसानों में कोहराम मच गया। किसानों के अथक प्रयास के बावजूद करीब 20 बीघा फसल जलकर राख हो गई। जिन किसानों को नुकसान हुआ है, उनमें कृष्णदेव सिंह पुत्र स्वर्गीय भगवान सिंह की 7 बीघा, बैजनाथ पुत्र जमुना की 7 बीघा रामसकल पुत्र बटोही की 1 बीघा, जगरनाथ पुत्र चौथक 1 बीघा, अरविंद उपाध्याय पुत्र स्वर्गीय विष्णु दयाल 55 डिसमिल, कल्याण पुत्र स्वर्गीय रामदौड 55 डिसमिल, पप्पू, सतनू, रामकेश, रामतिलक, सुभाष, नेवास, शंकर, जयराम, रामहरि, प्रमोद, सुदर्शन, रामजन्म, रामधनी आदि की फसल शामिल है।

## सात अपराधियों की खुली हिस्ट्रीशीट

**संवाददाता–संतकबीरनगर।** संतकबीरनगर जिले में लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता ने बड़ी कार्रवाई की है। जनपद के सात अपराधियों का हिस्ट्रीशीट खोलते हुए उनके विरुद्ध आगे की कार्रवाई शुरू कर दिया है। सभी अपराधी थाना दुधारा, मेंहदावल व बेलहरकला के हैं। एसपी ने बताया कि चुनाव में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अपराधियों पर लगाम कसी जा रही है। उन्होंने बताया कि मुशीर अहमद पुत्र हजरत अली निवासी हुजुरा सोहांवा थाना दुधारा, बेलाल अहमद पुत्र सबरुन नवी निवासी हुजुरा सोहांवा थाना दुधारा, कालिया उर्फ शोएब पुत्र साहेब अली निवासी बाघनगर थाना दुधारा, मोहम्मद इस्लाम उर्फ मुल्ला पुत्र मोहम्मद जाहीर निवासी साफियाबाद थाना दुधारा, कमरुल हुदा अंसारी उर्फ कमरुल हसन पुत्र शाह मोहम्मद निवासी करही थाना दुधारा, उपेन्द्र साहनी पुत्र रंगनाथ साहनी निवासी करमैनी थाना मेंहदावल, मोहम्मद सफीक पुत्र मसान अली निवासी करनजोत पोस्ट लोहरसन थाना बेलहरकला पेशेवर अपराधी हैं। इनकी हिस्ट्रीशीट खोलते हुए इनके विरुद्ध कार्रवाई प्रचलित की गई है।

## मंगलकारी है रुक्मिणी का विवाह

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी परिसर बस्ती में आयोजित सप्त दिवसीय श्रीमदभागवत कथा के छठे दिन कथावाचक स्वामी श्री राघवाचार्य जी महाराज ने उधव चरित्र, महारासलीला व रुक्मिणी विवाह का वर्णन किया। कथावाचक ने कहा कि गोपियों ने भगवान श्रीकृष्ण से उन्हें पति रूप में पाने की इच्छा प्रकट की। भगवान श्रीकृष्ण ने गोपियों की इस कामना को पूरी करने का वचन दिया। अपने वचन को पूरा करने के लिए भगवान ने महारास का आयोजन किया। इसके लिए शरद पूर्णिमा की रात को यमुना तट पर गोपियों को मिलने के लिए कहा गया। सभी गोपियां सज–धजकर नियत समय पर यमुना तट पर पहुंच गई। कृष्ण की बांसुरी की धुन सुनकर सभी गोपियां अपनी सुध–बुध खोकर कृष्ण के पास पहुंच गई। उन सभी गोपियों के मन में कृष्ण के नजदीक जाने, उनसे प्रेम करने का भाव तो जागा, लेकिन यह पूरी तरह वासना रहित था। इसके बाद भगवान ने रास आरंभ किया। माना जाता है कि वृंदावन स्थित निधिवन ही वह स्थान है, जहां श्रीकृष्ण ने महारास रचाया था। यहां भगवान ने एक अद्भुत लीला दिखाई थी, जितनी गोपियां उतने ही श्रीकृष्ण के प्रतिरूप प्रकट हो गए। सभी गोपियों को उनका कृष्ण मिल गया और दिव्य नृत्य व प्रेमानंद शुरू हुआ। रुक्मिणी विवाह का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने सभी राजाओं को हराकर विदर्भ की राजकुमारी रुक्मिणी को द्वारका में लाकर उनका विधिपूर्वक पाणिग्रहण किया। आकर्षक वेश–भूषा में श्रीकृष्ण व रुक्मिणी विवाह की झांकी प्रस्तुत कर विवाह संस्कार की रस्मों को पूरा किया गया। कथा के साथ–साथ भजन संगीत भी प्रस्तुत किया गया। मंगलवार को श्री सुदामा चरित्र, परिक्षित मोक्ष, शुकदेव विदाई एवं व्यास पूजन कथा, कथा व्यास स्वामी राघवाचार्य जी महाराज द्वारा प्रातरू 10 से प्रारंभ होगी भागवत कथा का कार्यक्रम उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी रोडवेज बस्ती के प्रांगण में हो रहा है।

मुख्य यजमान धीरेंद्र शुक्ला व बागेश्वरी शुक्ला रही। चंद्र भूषण मिश्रा, सतप्रकाश त्रिपाठी, विनय शुक्ल, डॉ राजन शुक्ला, अशोक कुमार पांडेय, प्रिंस शुक्ल, नरेंद्र सिंह मौजूद रहे।

## दिल्ली स्कूल आफ एक्सीलेंस में बच्चों को प्रमाण पत्र वितरित




–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। दिल्ली स्कूल ऑफ एक्सीलेंस हवेली खास बस्ती में वार्षिक परीक्षा फल एवं पुरस्कार वितरण किया गया तथा मेधावी बच्चों को प्रमाण पत्र ,मेडल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं सरस्वती वंदना से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय प्रबंधक जेपी सिंह ने बच्चों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि हमने उनके सर्वांगीण विकास पर जोर दिया है। बच्चों की प्रतिभा को परख कर उन्हें हर प्रकार से सही मार्गदर्शन मिला जिसका परिणाम है कि आज जब बच्चों को उनका परीक्षा फल मिला तो ज्यादातर बच्चों के मार्क्स 95: या उससे अधिक रहे। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी बच्चे की प्रतिभा केवल उसके रिजल्ट के परिणाम से नहीं आकी जाती यहां पर अगर किसी बच्चे ने परीक्षा में अच्छा किया तो उसे पुरस्कृत किया गया है। इसके अलावा अगर किसी बच्चे में अन्य प्रतिभा है जैसे कोई मोस्ट डिसिप्लिन रहा, बेस्ट क्लीन यूनिफॉर्म , बेस्ट अटेंडेंस या किसी खेल में या अन्य किसी प्रतियोगिता में बच्चों ने अच्छा किया है तो उनको भी पुरस्कृत किया गया है। प्रबंधक जेपी सिंह ने यह भी बताया कि इस विद्यालय में एलेन कोटा के मॉड्यूल से ही पढ़ाई कराई जाती है जिससे बच्चों के मानसिक, शैक्षिक, बौद्धिक एवं तार्किक विकास भी होता है।

विद्यालय प्रधानाचार्य गोपाल त्रिपाठी ने भी सभी पास होने वाले छात्र एवं छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि यह विद्यालय नए सत्र में पूरी तैयारी के साथ 4 अप्रैल से नए सत्र की कक्षाएं चलाने जा रहा है। विद्यालय में 4टियर सिस्टम के तहत छात्रों एवं उनकी पाठ्य व्यवस्था की निगरानी की जाती है जिसका परिणाम आज बच्चों की परीक्षा फल में दिख रहा है। यह विद्यालय छात्रों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी प्रेरित करता है। विद्यालय में हॉस्टल सुविधा के साथ–साथ रोबोटिक ,आईओटी, आईटी, मार्शल आर्ट ,स्विमिंग पूल, म्यूजिक, डांस ,ताइक्वांडो जैसे विभिन्न और व्यवस्थाएं भी हैं जिनसे बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। विद्यालय में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले छात्रों को मेडल, सर्टिफिकेट ,स्मृति चिन्ह देकर उनके अभिभावक को सहित सम्मानित किया गया। बच्चों को पुरस्कार वितरण समारोह में विद्यालय द्वारा सभी अभिभावकों को भी ओपन मंच दिया गया जिसमें उन्होंने अपने–अपने विचार व्यक्त किया एवं विद्यालय की सराहना की। आज बच्चों के पुरस्कार वितरण समारोह में डीके त्रिपाठी ,हर्षिता पांडे, गणेशराम, स्वाति सिंह , आयेशा , क्षमा, अंजलि, पूर्णिमा, स्नेहा, सुचिता, दीपिका, वंदना ,श्रद्धा ,रेनू, वेद प्रकाश ,भूपेंद्र,अनूप पांडे, प्रशांत त्रिपाठी ,सीमा सिंह ,प्रमोद कुमार गुप्ता, लक्ष्मीकांत पांडे ,ऐश्वर्या, गरिमा सहित सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रही ।कार्यक्रम का विस्तृत संचालन विद्यालय की सीसीए इंचार्ज दिव्या त्रिपाठी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन प्रधानाचार्य गोपाल त्रिपाठी द्वारा सभी अभिभावकों को एवं बच्चों को शुभकामनाएं एवं धन्यवाद देकर किया।

## 10 प्रतिशत छूट पाने के लिए उमड़े कर दाता

**संवाददाता–अयोध्या।** नगर निगम अयोध्या क्षेत्र में करीब 45 हजार गृहकर और जलकरदाता है। निगम की ओर से गृहकर और जलकर में 10 प्रतिशत की छूट को लेकर शहर के लोगों में खासा उत्साह दिखाई दिया। यही वजह है कि वित्तीय वर्ष 20023–24 के अंतिम दो दिनों में करीब एक करोड़ रुपए निगम को कर के रूप में प्राप्त हो गए। नगर निगम की ओर से गृहकर और जलकर में 10 प्रतिशत की छूट देने की सुविधा 31 मार्च तक निर्धारित थी। इसीलिए रविवार को नगर निगम के कर विभाग में छूट पाने के लिए कर जमा करने वालों का तांता लगा रहा। इस दौरान कई पार्षद भी अपने–अपने क्षेत्रों के नागरिकों के करों में संशोधन कराकर उसे जमा कराने में जुटे रहे। नगर निगम के मुख्य कर निर्धारण अधिकारी गजेन्द्र कुमार का कहना है कि दो दिन में करीब 25 हजार लोगों ने लगभग एक करोड़ का टैक्स जमा किया है। इसमें ऑनलाइन और ऑफ लाइन दोनो तरह से टैक्स जमा किए गए। दूसरी ओर वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन नगर निगम में कार्यों के भुगतान को लेकर भी फाइलें दौड़ती रहीं। ठेकेदार अपने भुगतान के लिए लेखा विभाग में दौड़ भाग करते दिखे। शासन से मेला आदि के मद में प्राप्त 70 करोड़ से अधिक की धनराशि नगर निगम के खाते में ट्रांसफर कर ली गई। बताते हैं कि नगर निगम का पैसा कभी लैप्स नहीं होता है, क्योंकि निगम का अपना खाता होता है, जिसका संचालन वह खुद करता है।

उधर, वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन सरकारी विभाग भी खुले रहे। बेसिक, माध्यमिक शिक्षा, पीडब्ल्यूडी, सिंचाई, विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, नलकूप सहित अन्य विभागों में भुगतान के लिए बिल बनाकर ट्रेजरी भेजे जाते रहे। कोषागार में भी विभागों के प्राप्त बिलों के भुगतान को लेकर देर शाम तक कामकाज चलता रहा। मुख्य कोषाधिकारी ममता सिंह ने रविवार शाम करीब साढ़े सात बजे बताया कि शासन से रात नौ बजे तक ट्रेजरी को खोले रखने के आदेश हैं। इसलिए अब तक जो भी विभागों के बिल प्रस्तुत हुए सभी के टोकर जारी कर भुगतान किया गया है। वहीं शासन से नए बजट भी देर शाम तक एलाट होते रहे। नये प्राप्त बजट की धनराशि को भी विभाग को भुगतान किया गया। शाम करीब आठ बजे श्रम विभाग, अवध विश्वविद्यालय सहित अन्य विभागों के बिल प्रस्तुत किए गए। सीटीओ ने बताया कि किस विभाग ने कितना बजट सरेंडर किया है, यह एक दिन बाद ही पता चल सकेगा। वित्तीय वर्ष 2023–24 के अंतिम दिन रविवार को भी सभी राष्ट्रीयकृत और निजी बैंक खुले रहे। बैंकों में आम लोगों की भीड़ नहीं रही। केवल सरकारी लेनदेन निपटाया गया। बताते हैं कि रविवार को बैंकों में अरबों का सरकारी लेन देन हुआ। बैंकों में आम ग्राहकों का आज काम नहीं हुआ। केवल सरकारी चेकों का क्लीयरेंस किया गया और नकद धनराशि का भुगतान हुआ। इसके अलावा बैंक की रिकवरी टीमें बकाया वसूली के लिए पूरे दिन सक्रिय रहीं।

## पेड़ से लटकता मिला युवक का शव

**संवाददाता–संतकबीरनगर।** महुली–हरिहरपुर मार्ग के किनारे ट्यूबवेल बाग निकट एक पेड़ से फंदे से लगभग पैंतीस वर्षीय व्यक्ति का शव संदिग्ध झूलता मिला है। इस सूचना से क्षेत्र में हड़कम्प मच गई। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के लिए भेज दिया है। परिजनों की माने तो उक्त युवक सुबह घर से सरसो फसल काटने के लिए निकला हुआ था। लेकिन मौत कारण ज्ञात नहीं हो सका। महुली थाना के निकट राम नयन राजभर की मौत काफी पहले हो चुकी है। पिता की मौत के बाद छोटा बेटा दिनेश राजभर अन्य भाइयों के साथ अलग अपनी मां कौल वासी के साथ रहता था। परिजनों के अनुसार दिनेश राजभर सोमवार सुबह घर से हरिहरपुर मार्ग किनारे ट्यूबवेल बाग के निकट खेत में सरसो की फसल काटने के लिए निकला हुआ था। देर तक जब नहीं लौटा, तो परिवार के लोग खोजबीन करने लगे। इसी दौरान कुछ लोगों की नजर पेड़ की टहनी से रस्सी सहारे शव लटकता देखा तो शोर मचाया। मौके पर भारी संख्या में ग्रामीण पहुंच गए। इसी दौरान बड़ा भाई राजू पहुंच गया। मृतक की पहचान दिनेश राजभर के रूप में किया। पुलिस पहुंच गई। शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम कराने के लिए भेज दिया है। मौत का कारण ज्ञात नहीं हो सका था। मृतक बड़े भाई राजू ने बताया कि दिनेश शराबी प्रवृत्ति का था। पूर्व में मृतक की दो शादी हो चुकी थी। लेकिन दिनेश का व्यवहार सही नहीं होने चलते दोनो पत्नियां छोड़कर चली गई थी। जिसके चलते वह परेशान रहता था। बुजुर्ग माँ कौलवासी के बुढ़ापे की लाठी टूट गई। वह बेसुध होकर घर पर पड़ी हुई थी। रो रो कर बुराहाल बना हुआ था। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

## प्रदेश की सबसे उम्रदराज शेरनी मरियम की मौत

**संवाददाता–गोरखपुर।** प्रदेश की सबसे उम्रदराज शेरनी मरियम की सोमवार को मौत हो गई है। पिछले चार दिनों से खाने के साथ पानी पीना भी छोड़ दी थी। शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) के डॉक्टर फ्लूड थेरेपी से उसका इलाज कर रहे थे, लेकिन उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हो रहा था। वह पिछले 15 दिनों से उठ नहीं पा रही थी।

गोरखपुर चिड़ियाघर में मरियम को इटावा लायन सफारी से 2021 में लाया गया था। अभी उसकी उम्र 18 वर्ष से अधिक हो चुकी थी। इस बीच उसकी तबीयत दो मार्च के आसपास खराब हो गई। इसके बाद से चिड़ियाघर के डॉक्टरों की टीम उसकी निगरानी करते रहे। एक सप्ताह बाद किसी तरह उसने 200 से 300 ग्राम मांस खाना शुरू किया था, लेकिन फिर से उसने मांस खाना बंद कर दिया था। पिछले पांच दिनों से पानी पी नहीं पी रही थी। चिड़ियाघर के मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. योगेश प्रताप सिंह ने बताया कि मरियम की हालत बेहद गंभीर थी। सोमवार को उसकी मौत हो गई। चार पांच दिनों से वह पानी पीना भी छोड़ दी थी।

## दुनिया भर से आने वाले लोगों की पहली पसंद अब ताजमहल नहीं अयोध्या है –अनूप जलोटा



**संवाददाता–अयोध्या।** मशहूर भजन गायक अनूप जलोटा सोमवार को अयोध्या पहुंचे और रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई। अनूप जलोटा ने बताया कि उनके साथ विश्व के लगभग अलग–अलग देशों के 45 लोग आए हैं जो रामलला का दर्शन करने के लिए काफी लंबे समय से फोन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पहले लोग भारत आते थे तो उनकी पहली पसंद ताजमहल हुआ करता था। अब भारत आने पर लोग अयोध्या आना चाहते हैं। दूसरा काशी विश्वनाथ और तीसरे नंबर पर ताजमहल है।

अनूप जलोटा ने अयोध्या और देश के विकास को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को राम–लक्ष्मण की जोड़ी बताते हुए उनके द्वारा किए गए कार्य को सराहा है। उन्होंने कहा कि देश की आधी आबादी मुफ्त राशन का लाभ ले रही है। अच्छी व्यवस्थाएं हैं तो जाहिर सी बात है कि आगामी चुनाव में मोदी सरकार 400 के पार होगी। अनूप जलोटा ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि जब देश में विकास होगा, अच्छी फैसिलिटी होगी तो आगामी चुनाव पर इसका असर देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि तमाम मुस्लिम भी ऐसे हैं जो भाजपा को वोट देंगे। जब मुस्लिम समाज के लोग भी भाजपा के समर्थन में आएंगे तो फिर बचा क्या? उन्होंने बताया कि दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और थाईलैंड समेत कई देशों के लोग उनके साथ अयोध्या आये हैं।

## पीएनसी कर्मचारियों ने रात के अंधेरे में समाधि ढहाई, गांव में तनाव का माहौल

**संवाददाता–गोरखपुर।** सोनौली हाइवे के किनारे लोहरपुरवा गांव के पास स्थित बाबा कठिनदास की समाधि को रविवार की रात पीएनसी के कर्मचारियों ने जेसीबी मशीन से तोड़कर ढहा दिया। इससे गांव में तनाव का माहौल हो गया है। गांव के बबलू मौर्य,जीतेन्द्र पासवान,लल्लन मौर्या सहित दर्जनों ग्रामीणों ने बताया कि रविवार की रात बिना किसी को बताए पीएनसी कर्मचारी जेसीबी मशीन, डंपर और बोलेरो से आए और बाबा कठिनदास की समाधि तोड़कर गिरा दी। जब ग्रामीणों को जानकारी हुई तो सैकड़ों लोग मौके पर पहुंच गए। कर्मचारियों से समाधि गिराने को लेकर बहस होने लगी। कैम्पियरगंज थानाध्यक्ष अनूप कुमार सिंह, करमैनी चौकी इंचार्ज राकेश सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों को समझा–बुझाकर मामला शांत कराने की कोशिश की। गांव में तनाव की स्थिति देखते हुए रातभर पुलिस टीम गांव में तैनात रही। सोमवार को पुलिस प्रशासन, राजस्व टीम ग्रामीणों से बातचीत कर बाबा की समाधि को दूसरे जगह स्थापित करने के लिए जगह चिह्नित कर और पीएनसी द्वारा समाधि बनवाने की बात पर मामला शांत हुआ। थानाध्यक्ष अनूप सिंह ने बताया कि पीएनसी कर्मचारी राकेश शर्मा द्वारा गांव वालों पर सरकारी कार्य में बाधा डालने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी गई है। उसकी जांच की जा रही है।

### अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– D202317140000903
धारा 128 उ0प्र0स02006
अदालत– श्रीमान ए0डी0एम0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
अशोक कुमार आदि
बनाम
बंश गोपाल आदि

1. बंश गोपाल पुत्र रामनरायन निवासी ग्राम पटखौली बाबू तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 2. नन्द गोपाल पुत्र राम नरायन निवासी ग्राम पटखौली बाबू तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 3. श्याम गोपाल पुत्र राम नरायन निवासी ग्राम पटखौली बाबू तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

**तारीख पेशी 04–04–2024**

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 04 माह 04 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैस़ला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

### CHANGE OF NAME & DOB

I. SURYA BHAN, FATHER OF ARMY NO. 4580650A RANK LINK NAME DHARMENDRA KUMAR YADAV UNIT 7 MAHAR, c/o 56 APO, Home Address At Vill- Rakhiya, Post Barahata, Thana Kaptanganj, Dist. Basti, State Uttar Pradesh, PIN 272131 DO HEREBY DECLARE THAT MY NAME AND DATE OF BIRTH HAS BEEN WRONGLY WRITTEN IN MY SON'S SERVICE RECORD as SURYA BHAN YADAV, AND DATE OF BIRTII 30-03-1963 instead OF MY CORRECT NAME SURYA BHAN AND DATE OF BIRTH is 15-07-1963 as MY AADHAAR CARD Carries the Correct NAME DATE OF BIRTILOBJECTION IF ANY MAY BE CONVEYED TO THE CONCERNED AUTHORITY WITHIN SEVEN DAYS.

### CHANGE OF NAME & DOB

1. KLAWATI DEVI, MOTHER OF ARMY NO. 4580650A RANK LINK NAME DHARMENDRA KUMAR YADAV UNIT 7 MAHAR, c/o 56 APO, Home Address At Vill- Rakhiya, Post Barahata, Thana Kaptanganj. Dist. Basti, State Uttar Pradesh, PIN 272131 DO HEREBY DECLARE THAT MY NAME AND DATE OF BIRTH HAS BEEN WRONGLY WRITTEN IN MY SON'S SERVICE RECORD as KALAWATI DEVI. AND DATE OF BIRTH 02-03-1968 instead OF MY CORRECT NAME KLAWATT DEVI AND DATE OF BIRTH is 01-01-1969 as MY AADHAAR CARD Carries the Correct NAME DATE OF BIRTH.OBJECTION IF ANY MAY BE CONVEYED TO THE CONCERNED AUTHORITY WITHIN SEVEN DAYS.

### अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला बस्ती
मूलवाद सं0 970/2023
ओमकार जायसवाल
बनाम
लालजी आदि

1. लालजी पुत्र बच्चू लाल निवासी मोहल्ला सुर्तीहट्टा नई बाजार पुरानी बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती 2. शंकर प्रसाद जायसवाल पुत्र बच्चू लाल निवासी मोहल्ला सुर्तीहट्टा नई बाजार पुरानी बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

3. केशव जायसवाल 4. केशरी जायसवाल निवासीगण पुत्र बच्चू लाल निवासीगण मोहल्ला सुर्तीहट्टा नई बाजार पुरानी बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

**तारीख पेशी 25–04–2024**

चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 04 के 25 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

### अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 232/2008
रामशंकर
बनाम
श्रीमती प्रभावती आदि

1/1 श्याम दुलारी उम्र लगभग 45 वर्ष पत्नी स्व0 राम प्रसाद निवासी ग्राम माड़न तप्पा कलवारी परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती 1/2 श्रीमती गुड़िया उम्र लगभग 35 वर्ष पत्नी धर्मू निवासी ग्राम चंगेरवा तप्पा कपरी महसो परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

**तारीख पेशी 01–07–2024**

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 01 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

### अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 97/2024
अब्दुल हुसैन–सायलान

1. अब्दुल हुसैन उम्र करीब 32 साल 2. इस्लाम उम्र करीब 49 साल 3. मोहम्मद तारिक उम्र करीब 40 साल पुत्रगण मो0 यूसुफ 4. हुमैरा खातून उम्र करीब 30 साल पत्नी स्व0 अब्दुल हसन (पुत्र बधू) साकिनान मौजा मडवानगर (बड़ेवन) तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

**तारीख पेशी 29–04–2024**

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 29–04–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

### अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
M.A.C.P.N0 85/2021
अदालत–श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला–बस्ती
जगतनरायन
बनाम
लल्लन सिंह आदि

1. लल्लन सिंह पुत्र स्व0 रामसिंह साकिन खतमसराय थाना छावनी जिला–बस्ती (वाहन स्वामी कमाण्डर जीप सं0–UP 51 ए 8484)
2. धर्मेन्द्र कुमार पुत्र कृष्णदेव तिवारी साकिन पूरे तिवारी थाना कोतवाली जिला–गोण्डा (वाहन चालक कमाण्डर जीप सं0–UP 51 ए 8484)

**तारीख पेशी 03–04–2024**

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 03 माह 04 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 01 माह 04 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

**दैनिक भारतीय बस्ती**

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
**अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–** चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
**लखनऊ कार्यालय–** आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
**गोरखपुर कार्यालय–** इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com